मुंबई, ठाणे, नवी मुंबई, पनवेल, रायगड़, उल्हासनगर, कल्याण एवं अंबरनाथ का
लोकप्रिय हिंदी दैनिक
उल्हास विकास
■ वर्ष : 42 ■ अंक : 144 ■ शुक्रवार, 23 अगस्त 2024 ■ पृष्ठ 4
3 रुपए
/ulhasvikas संपादक - हीरो अशोक बोधा (BMM, L.L.B.) Mobile.:- 9822045566
epaper.ulhasvikas.com

नए आयुक्त के कार्यभार संभालने से पहले ही

खतरनाक इमारत का हिस्सा गिरा

- कैम्प-5 की घटना
- कोई जनहानि नहीं
- घटनास्थल पहुंचे मनपा अधिकारी
- बिल्डर कौड़ियों के दामों में खरीद रहे इमारत
- कौड़ियों के नामों में बेच रहे अपने आशियाने
- बेघर बेवस लोगों की सुनवाई नहीं

उल्हासनगर. उल्हासनगर मनपा आयुक्त अजिज शेख का तबादला हो गया है उनकी जगह पर विकास ढाकणे की नियुक्ति की गई है। उनके कार्यभार संभालने से पूर्व ही उल्हासनगर में एक बेहद खतरनाक इमारत का हिस्सा गिरने से परिसर में खलबली मच गई है। उल्हासनगर-5 स्थित नवजीवन बैंक की पुरानी शाखा वाली इमारत का एक हिस्सा ढह गया। यह घटना बुधवार देर रात की है। इस घटना में कोई जनहानि नहीं हुई है।

कैम्प 5 नवजीवन बैंक की पुरानी शाखा वाली बिल्डिंग खतरनाक होने के कारण उल्हासनगर महानगरपालिका ने दो महीने पहले इमारत खाली करा ली थी। इमारत मालिकों को इसे तोड़ने को कहा गया लेकिन इस पर ध्यान नहीं दिया और बुधवार आधी रात को इमारत का आधा हिस्सा ढह गया।

सौभाग्य से, किसी को चोट नहीं आई। मनपा के सहायक आयुक्त ने कहा है कि प्रशासन इस इमारत को पूरी तरह जमीनदोज करेगा। वहीं उल्हासनगर शहर में इन धोकादायक इमारतों पर बिल्डरों की पैनी नजर है और फ्लैट धारकों से कौड़ियों के दामों में फ्लैट ले रहे हैं। हाल ही में मनपा अधिकारी व बिल्डर की मिलीभगत से कुछ धोकादायक इमारतों पर तोड़क कार्रवाई का डर दिखाकर तुरंत सौदा करने की बात सामने आयी है। इस तरह से शहर में झोलाछाप बिल्डर धोकादायक इमारत में रहने वाले लोगों को लूट रहे हैं। बेघर फ्लैट धारक डर में बेवस होकर कौड़ियों के दामों में अपने आशियाने बेच रहे हैं। अब नए मनपा आयुक्त विकास ढाकणे से शहरवासियों को विकास की काफी उम्मीदें हैं

16 मंजिला इमारत को तोड़ने का आदेश

टीपी मुले ने इमारत को दी थी मंजूरी

आयुक्त शेख ने जाते-जाते बिल्डर को दिया झटका

- कैम्प-5 की सबसे ऊंची इमारत झलक पैराडाइज पर चलेगा हथौड़ा
- अब क्या होगा झलक अरेना व पूनम सोसायटी का?

उल्हासनगर. उल्हासनगर शहर में बिल्डरों द्वारा नियमों का उल्लंघन व मनपा अधिकारियों के साथ मिलीभगत कर इमारतें तो बनाई जा रही है लेकिन उसका खामियाजा भविष्य में फ्लैट धारकों को भुगतना पड़ता है। ऐसे ही एक ऐतिहासिक निर्णय में तत्कालीन आयुक्त अजीज शेख ने शहर की सबसे ऊंची 16 मंजिला इमारत को तोड़ने का आदेश जारी किया है। यह इमारत झलक कंस्ट्रकशन कंपनी की है जिन्होंने शहर में कई पुरानी इमारतों को रिडेवलपमेंट पर लिया है। अब उन इमारतों का क्या होगा?

ज्ञात हो कि उल्हासनगर-5 स्थित बैरक न. 2112 रूम 1 से 4 तक झलक कंस्ट्रकशन कंपनी नरेश वाधवानी व मुकेश वाधवानी द्वारा 16 मंजिल की इमारत बनाई जा रही है. इसमें कुल 65 फ्लैट और 4 दुकानें हैं. यह इमारत 36 मीटर रिंग रोड और 24 मीटर डी.पी. रोड में बनाई जा रही थी. इस इमारत को इसी कारण तत्कालीन नगररचनाकार प्रकाश मुले ने दि 12/09/2023 को स्टे दिया था. मनपा के इस आदेश के विरुद्ध झलक बिल्डर ने मुंबई हाईकोर्ट में रिट याचिका न. 1694/2024 दाखिल की थी. सुनवाई के दौरान मनपा के वकील ने कहा कि हम बिल्डर को अपना पक्ष रखने का एक मौका देंगे. हाईकोर्ट ने दि. 30/04/2024 को आदेश पारित करके मनपा को निर्देश दिया कि 6 हफ्तों के भीतर इस इमारत पर अंतिम निर्णय दिया जाये. आदेश की अंमलबजावणी करते हुए मनपा के नगर रचना विभाग द्वारा बिल्डर को सुनवाई का मौका दिया गया परंतु बिल्डर अपना बचाव करने में असमर्थ हुआ. अंत में मनपा आयुक्त अजीज शेख ने आदेश नं. 44/19/112 दि. 16/08/2024 द्वारा बिल्डर को 36 मीटर और 24 मीटर में बनाये गये हिस्से को और इसके अलावा 1426 चौरस फीट क्षेत्र को तोड़ने का आदेश दिया है. आदेश में साफ लिखा है कि अगर बिल्डर ने इसे नहीं तोडा तो मनपा द्वारा तोडू कारवाई की जायेगी और उसका खर्च बिल्डर से वसूल किया जायेगा. अगर बिल्डर को मनपा के आदेश अनुसार इमारत तोडनी पड़ी तो उसे पूरी इमारत को ही तोडना पडेगा क्योंकि इमारत का काफी हिस्सा दोनों रोड में बाधा डाल रहा है और बिल्डर ने इमारत की हर मंजिल पर नियमों का उल्लंघन करते हुए ज्यादा बांधकाम किया है.

बिल्डर को 9.70 मीटर मारजिन छोडना था परंतु उसने सिर्फ 3 मीटर ही छोडा है. आदेश में लिखा है कि 80 प्रतिशत इमारत डी.पी रस्ते में बाधा डाल रही है. ऐसे में अब इस आदेश के बाद क्या इस 16 मंजिला इमारत को बिल्डर स्वयं तोड़ेंगे अथवा मनपा तोड़गी यह तो समय ही बताएगा। फिलहाल शहर की सबसे ऊंची इमारत जो विवादों में आ गई है इससे शहरवासियों को सबक लेना चाहिए क्योंकि शहर में रिडेवलपमेंट के नाम पर बिल्डर व झोलाछाप बिल्डर फ्लैट धारकों को फंसा रहे हैं। बिल्डर व मनपा अधिकारियों की मिलीभगत से इमारत तो बन जाती है लेकिन नियमों के उल्लंघन में न्यायालय के फैसले के आगे कार्रवाई ही एकमात्र विकल्प रह जाता है।

■ क्या होगा 'झलक अरेना' का?

झलक कंस्ट्रक्शन कंपनी की नेताजी चौक पर प्लॉट न. 23498, 30794 पर झलक अरेना नाम की 7 मंजिला जिसमें 14 फ़्लैट है वो इमारत बनाई जा रही है. शहरवासियो को हमारा सुझाव रहेगा कि किसी अनुभवी आर्चीटेक्ट से राय लेकर ही इसमे फ़्लैट खरीद करे क्योंकि बाहर से देखने से लगता है कि इस इमारत में भी बिल्डर ने चारों तरफ से नियमों के हिसाब से जरुरी मारजिन छोडी नहीं है ऐसे में फायरब्रिगेड आपात्कालीन स्थिति में घूम नहीं पाएगी। कही इस इमारत की हालत भी झलक पैराडाइज के जैसी न हो जाए.

क्या होगा पूनम सोसायटी के री-डेवलपमेंट का?

झलक कंस्ट्रक्शन कंपनी ने महानगरपालिका के ठीक सामने पूनम सोसायटी री-डेवलपमेंट का काम लिया हुआ है जो कि अभी शुरू नहीं हुआ है. हमारा फ़्लैट धारको को सुझाव रहेगा कि वो बिल्डर की इन सभी गैरकानूनी बातों को ध्यान में रखते हुए पुरी तरह सतर्क होकर सोच समझकर कोई भी निर्णय ले ताकि उनका और उनके बच्चों का भविष्य कहीं खतरे में न पड जाए. सुनने में आया है कि बिल्डर और पूनम सोसायटी के कुछ लोगों ने महाराष्ट्र शासन द्वारा जारी किये गये नियम और सोसायटी बायलास का उलंघन करके फ़्लैट धारको को गुमराह किया है और आपसी सांठ गांठ से री-डेवल्पमेंट का काम झलक बिल्डर को दिया है. ऐसे में अगर कुछ गलत हुआ तो इसका खाम्याजा सभी फ़्लैट धारको को भरना पडेगा.

मनपा आयुक्त ने अपने ऑर्डर में स्पष्ट लिखा है कि गलती बिल्डर और उसके आर्चीटेक्ट प्रसाद गरड की है. इसका अर्थ यही निकलता है कि बिल्डर और उसके आर्चीटेक्ट को नियमों की जानकारी नहीं है या फिर ज्यादा पैसों की लालच में फ़्लैट धारकों का भविष्य खतरे में डाल रहे है. अगर उल्हासनगर-5 स्थित इमारत तोडी गयी तो बिल्डर की वित्तीय परिस्थिती काफी कमजोर पड जायेगी जिसका परिणाम उसके सभी प्रोजेक्ट पर होगा ऐसा बुद्धिजीवी का कहना है. शहरवासी कृपया ऐसे बिल्डर से सावधान और सतर्क रहे. इस विषय पर उल्हास विकास आपको लगातार जानकारी देता रहेगा.

उल्हासनगर का विकास अब 'विकास' के हाथ

विकास ढाकणे उल्हासनगर महानगर पालिका के नए आयुक्त नियुक्त

- समस्या नगर उल्हासनगर में नए आयुक्त को कई चैलेंज
- पिंपरी चिंचवड़ में थे अतिरिक्त आयुक्तखराब रास्ते, सफाई, पानी व अवैध निर्माण प्रमुख मुद्दे

उल्हासनगर. उल्हासनगर शहर में एक युवा मनपा आयुक्त की नियुक्ति होने से शहरवासियों को समस्याओं से छुटकारा पाने की उम्मीद जग गई है। इससे पूर्व हाल ही में जितने भी आयुक्त आए हैं वो यहां से सेवानिवृत्त होकर गए हैं। ऐसे मेंमूल रूप से भारतीय रेलवे सुरक्षा सेवा के अधिकारी 40 वर्षीय विकास ढाकने ने कल उल्हासनगर मनपा के आयुक्त के रूप में पदभार संभाल लिया है. नए आयुक्त विकास ढाकणे को बागडोर सौंपकर अजीज शेख ने उल्हासनगर के दो साल के कार्यकाल को अलविदा कहा। ज्ञात हो कि विकास ढाकने लगभग 40 साल के युवा हैं, जो पुणे मनपा में अतिरिक्त आयुक्त के पद पर कार्यरत थे. लोकसभा चुनाव में उनका तबादला कर दिया गया था. लेकिन वह नियुक्ति का इंतजार कर रहे थे. आखिरकार उनका इंतजार खत्म हुआ और महाराष्ट्र सरकार के शहरी विकास विभाग ने ढाकणे को उल्हासनगर मनपा का आयुक्त नियुक्त कर दिया है. अपर आयुक्त जमीर लेंगरेकर, किशोर गवस, मुख्य लेखा अधिकारी किरण भिलारे आदि ने उन्हें बधाई दी है। निवर्तमान आयुक्त डॉ. अजीज शेख ने 13 जुलाई 2022 को उल्हासनगर मनपा का कार्यभार संभाला। वह 31 मई, 2024 को सेवानिवृत्त होने वाले थे। लेकिन चूंकि उन्होंने उससे पहले ही आईएएस की परीक्षा पास कर ली थी, इसलिए उन्हें दो साल का एक्सटेंशन मिल गया। अब उनकी जगह विकास ढाकने ने कार्यभार संभाल लिया है और डॉ. शेख को नियुक्ति की प्रतीक्षा सूची में रखा गया है. नवनियुक्त आयुक्त विकास ढाकने ने सभी विभाग प्रमुखों के साथ बैठक कर उनके कामकाज की समीक्षा की है. लेकिन ढाकणे के सामने सबसे बड़ी चुनौती उबड़-खाबड़ सड़कों के गड्ढे, सफाई, पानी समस्या और उल्हासनगर के जर्जर इमारतों की है। अब देखना है कि नए आयुक्त विकास ढाकणे शहर विकास करने में कितने सफल होते हैं। क्या इस चैलेंज को स्वीकार करके वो शहरवासियों की उम्मीदों पर खरे उतरेंगे। यह तो समय ही बताएगा।

'ये चल क्या रहा है, बेहद शॉकिंग?'

बदलापुर कांड पर गुस्से में बॉम्बे हाई कोर्ट ने पुलिस को फटकारा

मुंबई. बॉम्बे हाईकोर्ट ने गुरुवार को बदलापुर के एक स्कूल में दो बच्चियों के साथ हुए यौन उत्पीड़न को बेहद चौंकाने वाला करार दिया. कोर्ट ने कहा कि लड़कियों की सुरक्षा से कोई समझौता नहीं किया जा सकता. जस्टिस रेवती मोहिते डेरे और जस्टिस पृथ्वीराज चव्हाण की खंडपीठ ने कहा कि स्कूल प्रशासन को घटना की जानकारी होने के बावजूद रिपोर्ट नहीं करने पर कार्रवाई की जानी चाहिए. साथ ही एफआईआर दर्ज करने में देरी को लेकर पुलिस को भी फटकार लगाई.

बदलापुर कांड पर सुनवाई के दौरान हाईकोर्ट काफी गुस्से में दिखा. हाईकोर्ट ने मामले में पुलिस की कार्यशैली पर सवाल उठाए और खूब फटकार लगाई. बॉम्बे हाईकोर्ट ने बदलापुर यौन शोषण कांड पर अफसोस जताते हुए कहा कि अगर स्कूल एक सुरक्षित जगह नहीं है तो शिक्षा और अन्य सभी चीजों के अधिकार की बात करने का क्या मतलब है. जस्टिस रेवती मोहिते डेरे और जस्टिस पृथ्वीराज चव्हाण की बेंच आज यानी बृहस्पतिवार को मामले की सुनवाई की.

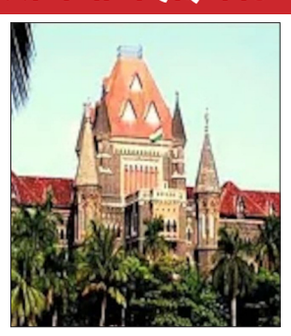

पुलिस को फटकार लगाते हुए हाईकोर्ट ने कहा कि यह अब आम बात हो गई है. जब तक तीव्र विरोध न हो, मशीनरी काम नहीं करतीं. क्या आप यह कहना चाहते हैं कि जब तक लोग सड़कों पर नहीं उतरेंगे, जांच गंभीरता से नहीं होगी? हाईकोर्ट पूरे मामले में काफी गुस्से में दिखा. हाईकोर्ट ने कहा, 'ये क्या है? 13 का इंसिडेंट, 16 को FIR और स्टेटमेंट 22 तारीख को रिकॉर्ड हो रहा है. ये क्या चल रहा है. अगर हमें जरा भी लगा कि मामले को दबाने की कोशिश हो रही है, तो हम किसी के खिलाफ एक्शन लेने में हिचकेंगे नहीं.'

अदालत ने पुलिस को लगाई फटकार

आर्डर लिखवाते हुए अदालत ने कहा कि बदलापुर पुलिस ने आज तक दूसरे विक्टिम का कोई भी स्टेटमेंट नहीं लिया है. वहीं जब हाइकोर्ट ने इस मामले का स्वतः संज्ञान लिया तो जल्दी-जल्दी में आधी रात को दूसरी विक्टिम के पिता का स्टेटमेंट दर्ज किया गया है. हाई कोर्ट ने एडवोकेट जनरल को कहा है कि अगली तारीख 27 अगस्त आपको बहुत सारे सवालों को जवाब देना होगा.

'यह घटना बेहद शॉकिंग'

अदालत ने कहा कि अगर स्कूल एक सुरक्षित जगह नहीं है तो शिक्षा और अन्य सभी चीजों के अधिकार की बात करने का क्या मतलब है. कोर्ट ने आगे कहा कि यहां तक कि 4 साल की लड़कियों को भी नहीं बख्शा जा रहा है. ये कैसी स्थिति है. यह बेहद चौंकाने वाली बात है.

'महाराष्ट्र बंद' में व्यापारियों पर कोई जबरदस्ती नहीं- महाविकास आघाड़ी

उल्हासनगर. बदलापुर यौन शोषण प्रकरण में महाविकास आघाड़ी द्वारा महाराष्ट्र बंद के आव्हान के बाद उल्हासनगर शहर में भी महाविकास आघाड़ी के नेताओं ने आपसी बैठक में यह निर्णय लिया है कि उल्हासनगर-2 स्थित भाऊ परसराम झूलेलाल मंदिर में चालिहा पर्व का समापन और भव्य झांकी उसी दिन निकाली जाएगी। ऐसे में महाविकास आघाड़ी के नेताओं ने कैम्प 1, 2 व 3 के दुकानदार व व्यापारियों से अपील की है कि बदलापुर की घटना के विरोध में अपने व्यापारिक प्रतिष्ठान खुद बंद करना चाहे तो ठीक अन्यथा उनपर कोई भी दबाव या जबरदस्ती नहीं की जाएगी। वहीं उल्हासनगर-4 व 5 के दुकानदारों को बंद में पूरी तरह शामिल होने की अपील की गई है। बंद के दौरान 24 अगस्त को दुकान के बाहर शाम 7 बजे मोमबत्ती जलाकर सरकार का निषेध करें। 24 अगस्त की दोपहर 3 बजे शिवाजी चौक पर महाविकास आघाड़ी द्वारा सरकार के विरुद्ध प्रदर्शन किया जाएगा। बैठक में कांग्रेस व शिवसेना ठाकरे गुट आदि आघाड़ी नेता शामिल हुए।

24 अगस्त को अंबरनाथ बंद

- आटो रिक्शा भी बंद रहेंगे

उल्हास विकास संवाददाता

अंबरनाथ. महाविकास आघाड़ी की तरफ से 24 अगस्त शनिवार को महाराष्ट्र बंद का ऐलान किया गया है. बदलापुर में दो मासूम बच्चियों के साथ हुए कुकर्म एवं पुलिस एवं स्कूल प्रशासन द्वारा इस मामले को दबाने का प्रयास किया गया है. इसी मुद्दे को लेकर 24 अगस्त को महाराष्ट्र बंद के साथ अंबरनाथ शहर भी बंद रहेगा. शहर पूर्व और पश्चिम के सभी आटो रिक्शा इस कांड के विरोध में बंद रखे जाएंगे. ऐसा पत्र रिक्शा यूनियन के अध्यक्ष मिलिंद पाटिल ने अंबरनाथ के दोनों पुलिस स्टेशन, एसीपी, डीसीपी और यातायात पुलिस को दिया है. पत्र में मिलिंद पाटिल ने लिखा है कि बदलापुर में 2 बच्चियों के साथ जो गैर प्रकार हुआ है, उसके निषेध में पूरे शहर की रिक्शा शनिवार को बंद रहेगी. महाविकास आघाड़ी घटक पक्ष, कांग्रेस, शिवसेना (उबाठा) और राकांपा शरद पवार गुट की एक बैठक का आयोजन हुआ, जिसमें कांग्रेस अध्यक्ष कृष्णा पाटिल, शिवसेना उबाठा शहर अध्यक्ष सदाशिव पाटिल ने भी बैठक के बाद अंबरनाथ शहर बंद की घोषणा की है. बंद में शहर के सभी व्यापार, आटो रिक्शा बंद रहेंगे. मेडिकल स्टोर एवं अत्यावश्यक सेवाएं शुरू रहेंगी.

ठाणे से कर्जत, कसारा तक लोकल रेल सेवा बढ़ाने, इस लाइन पर ठाणे से शटल सेवा शुरू करने, कोपर से मुंब्रा क्षेत्र में बढ़ती रेल यात्री दुर्घटनाओं पर गंभीरता से विचार करने एवं भीड़भाड़ वाले समय में महिलाओं के लिए विशेष स्थान छोड़ने जैसी विभिन्न मांगों को लेकर रेलवे यात्री संघों के पदाधिकारियों ने समेत 20 हजार से अधिक रेल यात्रियों ने काला फीता बांधकर ट्रेन में यात्रा की.

अंबरनाथ में नाबालिग लड़की से छेड़छाड़

- बदलापुर कांड से सबक लेते हुए पुलिस ने तुरंत लिया एक्शन
- 35 साल का शख्स का आरोपी गिरफ्तार
- न्यायालय ने पुलिस रिमांड में भेजा

अंबरनाथ. अंबरनाथ पुलिस ने बुधवार को एक 35 वर्षीय व्यक्ति के खिलाफ बाल यौन शोषण रोकथाम अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया, जिसने एक नाबालिग लड़की से उस समय छेड़छाड़ की, जब वह घर के सामने सार्वजनिक शौचालय में आई थी। बदलापुर स्कूल की घटना से सबक लेते हुए पीड़ित बच्ची की मां जैसे ही थाने में शिकायत दर्ज कराने पहुंची पुलिस ने तुरंत नराधम के खिलाफ मामला दर्ज कर उसे गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया. जहां से उसे पुलिस कस्टडी में भेज दिया गया है.

आरोपी का नाम संतोष आनंद कांबले (35) है। वह अंबरनाथ पश्चिम में शिवसेना शाखा के पास भास्कर नगर इलाके में रहता है। जुलाई से अगस्त तक एक महीने की अवधि के दौरान आरोपी संतोष कांबले पीड़ित लड़की के साथ अश्लील इशारे कर छेड़छाड़ कर रहा था. ये सब सामने आने के बाद पीड़ित लड़की की मां ने शिकायत दर्ज कराई है.

पुलिस ने बताया, आरोपी संतोष कांबले अंबरनाथ पश्चिम के भास्कर कॉलोनी में रहता है। इस कॉलोनी के लिए संतोष कांबले के घर के पास ही अंबरनाथ नगर पालिका का सार्वजनिक शौचालय है. जब पीड़ित लड़की सार्वजनिक शौचालय में आती थी, तो आरोपी संतोष वहां आता था। यह देखकर कि वहां कोई नहीं है, वह उसके करीब जाता और उसे अपने मोबाइल फोन से अश्लील वीडियो दिखाता। वहां वह उसके साथ अश्लील हरकतें करता था।

बीते मंगलवार की दोपहर जब पीड़िता शौच के लिए आई तो आरोपी संतोष ने हमेशा की तरह उसके साथ दुराचार किया। जब संतोष की परेशानी बढ़ने लगी तो पीड़ित लड़की ने घर पर अपने परिजनों को घटना बताई. यह सुनकर परिवार सदमे में आ गया। वह तुरंत अंबरनाथ पुलिस स्टेशन गए और शिकायत दर्ज कराई। पीड़िता की शिकायत से पता चला है कि संतोष पिछले एक महीने से उसके साथ गलत हरकत कर रहा था.

अंबरनाथ पुलिस ने तुरंत मामला दर्ज किया और आरोपी को गिरफ्तार कर लिया क्योंकि वे इस मामले में कोई ढिलाई नहीं चाहते थे। पुलिस उपायुक्त डॉ. सुधाकर पठारे के मार्गदर्शन में सहायक पुलिस आयुक्त सुरेश वराडे, वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक जगन्नाथ कालस्कर, पुलिस निरीक्षक किशोर शिंदे, उपनिरीक्षक मनीष वाघमारे ने इस मामले की जांच शुरू कर दी है.

पति ने पत्नी और माता-पिता पर चढ़ाई कार, पांच जख्मी

अंबरनाथ. बदलापुर में एक पारिवारिक विवाद ने हिंसक रूप ले लिया। इस मामले में सतीश शर्मा नाम के व्यक्ति ने अपने पिता की गाड़ी पर जानबूझकर अपनी कार चढ़ा दी, जिससे पांच लोग घायल हो गए। इनमें से एक की हालत गंभीर बताई जा रही है। यह घटना उस समय हुई, जब सतीश की पत्नी गुस्से में अपने चार साल के बच्चे को पति के पास छोड़कर चली गई थी और दूसरे दिन अपने सास-ससुर के साथ बच्चे को लेने के लिए बदलापुर में आई थी।

मिली जानकारी के मुताबिक, आपसी विवाद से तंग आकर सतीश की पत्नी ने एक दिन पहले अपने बच्चे को पति सतीश के पास छोड़कर अपने सास-ससुर के घर मुंबई चली गई थी। मंगलवार को वह अपने सास-ससुर और एक अन्य युवक के साथ एक कार से बच्चे को लेने बदलापुर आई थी। जब सतीश के पिता बिंदेश्वर शर्मा ने बच्चे की मांग की, तो सतीश ने अपने पिता को भी धक्का देते हुए थप्पड़ मार दिया। इसके बाद, सतीश की पत्नी बच्चे को लेकर गाड़ी में बैठ गई और वहां से चली गई। इसके बार सतीश ने अपने ड्राइवर योगेश गायकवाड से कहा कि मेरी गाड़ी को उनकी गाड़ी पर चढ़ा दी, लेकिन जब ड्राइवर ने ऐसा नहीं किया, तो सतीश ने खुद गाड़ी चलाकर माता-पिता और पत्नी की सफारी गाड़ी पर जोरदार टक्कर मार दी। इतना ही नहीं, सतीश ने गाड़ी को रिवर्स लेकर फिर से टक्कर मारी, जिससे उनकी कार करीब 15 मीटर पीछे चले गई। इस हादसे में कई मोटरसइकिल भी क्षतिग्रस्त हुई और कुल पांच लोग घायल हुए हैं। इनमें से ड्राइवर गायकवाड की हालत गंभीर है और उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया है। सतीश की पत्नी और मां को मामूली चोटें आई हैं। पुलिस ने सतीश शर्मा को गिरफ्तार कर कोर्ट में पेश किया, जहां उसे तीन दिन की पुलिस हिरासत में भेज दिया गया है।

जीवन में हजारों लड़ाइयां जीतने से बेहतर स्वयं पर विजय प्राप्त कर लो. फिर जीत हमेशा तुम्हारी होगी, जिसे तुमसे कोई नहीं छिप सकता. - महात्मा गौतम बुद्ध

उल्हास विकास संपादकीय

आरक्षण पर विवाद नहीं, स्वस्थ संवाद की जरूरत

अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जनजातियों यानी एससी/एसटी में उपजाति-वर्गीकरण के मुद्दे को लेकर कई संगठन बुधवार को सड़कों पर उतर आए। उनकी चिंता को समझने की जरूरत है। अनुसूचित जातियों को अपनी स्थिति का बोध होना अच्छी बात है। बाबा साहेब भीमराव आंबेडकर भी कहते थे, गुलाम को गुलामी का एहसास करा दो। बुद्ध कहा करते थे कि दुख का कारण जानो। बड़ा सवाल तो यही है कि इनमें कुछ उपजातियां विकास की मुख्यधारा में क्यों पिछड़ी हैं? विभाजन में समाधान ढूंढ़ने के माननीय सुप्रीम कोर्ट के सुझाव के बाद उपजाति-वर्गीकरण के मुद्दे को लेकर संवाद और भाईचारे पर अमल करना चाहिए। हमें डॉ आंबेडकर के संदेश का सार समझना चाहिए और किसी भी तनाव या टकराव से बचना चाहिए। जिन उपजातियों की जनसंख्या के अनुपात से भी भागीदारी कमतर है, उनको बताया गया है कि अधिक संख्या वाले तुम्हारा हिस्सा खा रहे हैं, जबकि यह नतीजा है आरक्षित पदों के न भरे जाने का; आरक्षित वर्गों के लिए नए पद सृजित न करने का; निजी क्षेत्र में अमेरिका की तरह 'अफर्मेटिव डायवर्सिटी' (पिछड़े तबकों के लिए अवसर बढ़ाने वाली सकारात्मक विविधता) लागू नहीं किए जाने का; सरकारी शिक्षा को सीमित करने का और निजी क्षेत्र में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा दुर्लभ हो जाने का। इस संदर्भ में भारतीय विदेश सेवा से सेवानिवृत्त विवेक काटजू ने 15 दिसंबर, 2022 को संसद में राज्य मंत्री जितेंद्र सिंह द्वारा प्रस्तुत आंकड़ों का विश्लेषण कर प्रशासनिक सेवाओं में उच्च पदों पर प्रतिनिधित्व के वस्तुपरक सुझाव दिए हैं। उसमें उन्होंने बताया है कि उच्च अधिकारियों के 322 पद हैं, जिनमें संयुक्त सचिव, सचिव और केंद्रीय अधीनस्थ स्टाफ और विभिन्न मंत्रालयों के विभागीय पद हैं। इनमें एससी और एसटी की भागीदारी क्रमशः चार और 4.9 फीसदी है। वे शीर्ष पदों पर हैं ही नहीं। यही कारण है कि संयुक्त सचिव, सचिव और निदेशकों के 45 पदों को लेटरल भर्ती को संभव नहीं होने दिया गया। इन भर्तियों में भी एससी/ एसटी/ ओबीसी आरक्षण का प्रश्न खड़ा हो गया है। काटजू का सुझाव है, 'शीर्ष पदों पर प्रतिनिधित्व पूरा करने के लिए पदोन्नति में रोका गया आरक्षण दिया जाए। पात्रता और आयु कारक को लेकर प्रशासनिक सेवाओं में सकारात्मक सुधार करके प्रतिनिधित्व पूरा किया जा सकता है।

मुद्दा : 'जान बचाने वाले' कितने सुरक्षित

अपने कर्तव्य का निर्वाह कर रही जूनियर डॉक्टर की नौ अगस्त को कोलकाता में एक क्रूर घटना में जघन्य हत्या कर दी गई। इससे पूरे राष्ट्र का जनमानस हिल गया है। इसने एक बार पुनः निर्भया हत्याकांड की याद ताजा कर दी, लेकिन यह घटना तो उससे भी कहीं ज्यादा वीभत्स है। निर्भया की हत्या राह चलती बस में यात्रा के दौरान कुछ असामाजिक तत्वों द्वारा की गई थी, लेकिन हाल में घटित घटना को अस्पताल जैसे सुरक्षित स्थान पर अंजाम दिया गया है। घटनाक्रम से प्रतीत होता है कि यह पूर्व नियोजित था।

अस्पताल के अंदर कार्यरत चिकित्सक की कार्यावधि के दौरान की गई हत्या जूनियर एवं प्रशिक्षु डॉक्टरों की सुरक्षा को लेकर कई सवाल खड़े करती है। इस घटना के बाद भाजपा और तृणमूल कांग्रेस एक-दूसरे पर आरोप-प्रत्यारोप के जरिये राजनीतिक लक्ष्य प्राप्त करने में लगी हैं और चिकित्सक के प्रति हिंसा का विषय नेपथ्य में चला गया है। विभिन्न अवसरों पर चिकित्सकों के विरुद्ध हिंसक वारदात के विरोध में चिकित्सक संगठन अपनी सुरक्षा को लेकर आवाज उठाते हैं, लेकिन ज्यादातर अवसरों पर ठंडे छींटे देकर आंदोलन को शांत कर दिया जाता है। चिकित्सकों से सेवा की तो पूर्ण अपेक्षा रखी जाती है, किंतु उनकी सुरक्षा के प्रति जवाबदेही के लिए बनाया जाने वाला कानून वर्ष 2022 से लंबित है। उल्लेखनीय है कि केंद्र द्वारा कानून बनाने के बावजूद स्वास्थ्य राज्य सूची का विषय होने के कारण संपूर्ण दारोमदार राज्यों पर ही आ जाता है। कई राज्यों ने विभिन्न अवसरों पर आंदोलनरत

चिकित्सकों को शांत करने के लिए कानून तो बना दिए, लेकिन वे धरातल पर नहीं उतरे। जैसे राजस्थान में कानून तो वर्ष 2008 में बन गया था, किंतु प्रभावी क्रियान्वयन डॉ. अर्चना शर्मा द्वारा दबाव में की गई आत्महत्या के उपरांत वर्ष 2022 में तय मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) के पश्चात ही हो पाया है।

कोलकाता की घटना ने चिकित्सकों विशेष तौर पर दिन-रात सेवारत सहयोगी चिकित्सकों की कार्य परिस्थितियों पर भी सवालिया निशान खड़े किए हैं। चिंतनीय है कि जिनके हाथों में जीवन बचाने का दायित्व सौंपा जा रहा है, उनके पास ठीक से उठने-बैठने, आराम करने और निवृत्त होने की उचित व्यवस्था भी नहीं रहती। चिकित्सा के व्यावसायीकरण और विशेष तौर पर कॉरपोरेट संस्कृति में ढलने से वहां कार्यरत चिकित्साकर्मी भी एक सामान्य कर्मी बन कर रह गए हैं। मरीजों के बोझ में दबे सरकारी चिकित्सा संस्थानों का तो हाल और भी चिंताजनक है। विभिन्न राज्यों द्वारा नर्सिंग होम या अस्पताल की स्थापना के मानक तय करने को क्लिनिकल एस्टेब्लिशमेंट एक्ट लागू किए गए हैं, जिनमें ड्यूटी डॉक्टर हेतु कक्ष एवं शौचालय का भी मानक रखा गया है, किंतु वह अत्यंत अल्प है, जिसमें अनेक चुनौतियां रहती हैं। हाल की घटना के बाद केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जगत प्रकाश नड्डा की पहल पर पुरुष व महिला प्रशिक्षु और ड्यूटी चिकित्सकों के लिए समुचित कक्ष की व्यवस्था के लिए निर्देशित किया गया है, लेकिन क्रियान्वयन का दायित्व तो राज्य सरकारों एवं चिकित्सा संस्थान संचालकों की नीयत पर है। एक ओर भारत सरकार हर जिले में एक मेडिकल कॉलेज खोलने की महत्वाकांक्षा के साथ तीव्र गति से कार्य कर रही है, वहीं चिकित्सक इस व्यवसाय के प्रति पुनर्विचार करने लगे हैं। इन सबके मूल में निरंतर असुरक्षा का भाव सबसे प्रमुख है। पूर्व में चिकित्सक का स्वप्न होता था कि अपनी अगली पीढ़ी को भी चिकित्सक बनाना, लेकिन विगत वर्षों में इस चलन में कमी आई है। इस कमी के पीछे जहां आर्थिक कारण एक पक्ष है, वहीं नित्य प्रति घटित होने वाली घटनाएं प्रमुख रूप से दोषी हैं। भारत की शीर्ष संस्था इंडियन मेडिकल एसोसिएशन द्वारा किए गए सर्वेक्षण से ज्ञात हुआ है कि लगभग 83 प्रतिशत चिकित्सक व्यवसाय संबंधी तनाव में जीवनयापन करते हैं। लगभग 63 प्रतिशत को हिंसा का भय सताता रहता है, तो आधे चिकित्सकों के तनाव की मुख्य वजह हिंसक वारदात होती है। क्या तनावग्रस्त चिकित्सक से बेहतर इलाज की अपेक्षा की जा सकती है?

दिव्य ज्योति और श्रुति की धारा में हमारी आत्मा को साफ करने की ताकत है।

- संत राजिन्दर सिंह जी महाराज

स्थान - सावन कृपाल रूहानी मिशन, सावन आश्रम, परम संत कृपाल सिंह जी महाराज चौक, खेमानी रोड, उल्हासनगर-२

देखें सत्संग आस्था चौनल पर हर रोज़ सोम - शनि सुबह ८.२० से ८.४० तक

प्रशासनिक जवाबदेही तय करने की जरूरत

कोलकाता के बाद अब महाराष्ट्र के बदलापुर में यौन उत्पीड़न के खिलाफ जनाक्रोश उभरा है। वहां के एक स्कूल में दो बच्चियों के यौन उत्पीड़न का मामला सामने आने पर लोगों का रोष फट पड़ा। हालांकि राज्य सरकार ने तुरंत इस मामले को गंभीरता से लेते हुए विशेष जांच दल गठित कर दिया, मगर प्रशासन के रवैए पर प्रश्नचिह्न बना हुआ है। घटना आठ-नौ दिन पहले की है। जब बच्चियों के परिजनों को पता चला कि स्कूल के ही एक कर्मचारी ने उनका यौन उत्पीड़न किया है, तो उन्होंने पुलिस के पास संबंधित मामले की प्राथमिकी दर्ज करानी चाही। मगर पाक्सो अधिनियम का मामला होने के बावजूद उनकी शिकायत लिखने में टालमटोल की गई। इससे लोगों में नाराजगी और बढ़ गई।

यही रवैया कोलकाता मामले में भी देखा गया था। वहां भी प्राथमिकी देर से दर्ज कराई गई। पिछले करीब एक पखवाड़े से देश के विभिन्न हिस्सों से बलात्कार, यौन उत्पीड़न और नृशंस हत्या की घटनाएं रोज ही सामने आ रही हैं। बदलापुर के बाद अकोला में भी छह बच्चियों के यौन शोषण का मामला उजागर हो गया। ऐसी घटनाओं से महिला सुरक्षा को लेकर बने कानूनों और प्रशासनिक सतर्कता पर स्वाभाविक ही सवाल गहरे हुए हैं।

बलात्कार, डरा-धमका कर किए जाने वाले यौन शोषण, राह चलते छेड़खानी आदि के खिलाफ कड़े कानून हैं, मगर आपराधिक वृत्ति के लोगों में उनका खौफ इसलिए नहीं पैदा हो पा रहा कि उन कानूनों पर संजीदगी से अमल नहीं हो पाता। ऐसे मामलों में पुलिस का रवैया प्रायः टालमटोल का ही देखा जाता

है। अगर यौन उत्पीड़न का मामला समाज के निचले कहे जाने वाले वर्ग की महिला से जुड़ा हो, तो पुलिस का प्रयास अक्सर समझा-बुझा कर रफा-दफा करने का होता है।

निर्भया कांड के बाद महिलाओं के साथ होने वाली हिंसा और उत्पीड़न से संबंधित कानूनों को काफी सख्त बनाया गया था। बाल यौन उत्पीड़न से जुड़े पाक्सो कानून में तो तत्काल गिरफ्तारी और जमानत तक न मिलने का प्रावधान है। मगर इन कानूनों का ठीक से पालन न हो पाने के कारण ऐसे मामले रुकने का नाम नहीं ले रहे। इस बात से इनकार नहीं किया जा सकता कि समाज में बढ़ती यौन विकृति और हिंसक वृत्ति की अनेक वजहें हैं, जिनमें से इंटरनेट पर परोसी जाने वाली उत्तेजक और हिंसापूर्ण सामग्री का बड़ा योगदान है। इसलिए ऐसी सामग्री पर रोक लगाने के उपाय करने की मांग उठती रही है। मगर, प्रशासनिक शिथिलता इसके लिए सबसे अधिक जिम्मेदार मानी जा सकती है।

हमारे देश में यौन उत्पीड़न के बहुत सारे मामलों में परिजन खुद चुप्पी साध जाते हैं। जो मामले पुलिस तक पहुंचते भी हैं, उनमें दोषियों को सजा दिलाने में तत्परता नहीं दिखाई जाती। जांच और गवाहियों में वर्षों लग जाते हैं। बहुत सारे मामलों में पुलिस का रवैया पक्षपातपूर्ण देखा जाता है। इसलिए चर्चित मामलों में भी न्याय मिलने में लंबा वक्त लग जाता है। करीब बत्तीस वर्ष पहले हुए अजमेर के ऐसे ही यौन उत्पीड़न मामले में अब दोषियों को सजा सुनाई जा सकी है। उसमें डरा-धमका कर सौ महिलाओं का यौन शोषण किया गया था। ऐसे अनेक उदाहरण हैं, जिनमें लोगों का गुस्सा फूटा, उन्हें लेकर खूब चर्चा हुई, मगर उनमें पीड़िताओं को इंसाफ के लिए लंबा इंतजार करना पड़ा। जब तक ऐसे मामलों में प्रशासनिक जवाबदेही तय नहीं होगी, विकृत मानसिकता के लोगों पर लगाम कसना कठिन बना रहेगा।

स्कूल बस का 'रंग' क्यों होता है 'पीला'?

रंगों को लेकर हमारे मन में कई सवाल होते हैं. उदाहरण के लिए, कौन सा रंग किस बात का प्रतीक है, या फिर कौन सा रंग अच्छा है और क्यों कौन सा रंग इस्तेमाल किया जाता है. दरअसल रंग सिर्फ खूबसूरत नहीं दिखते, इसके पीछे भी एक संदेश छिपा हुआ होता है.

हम जानते हैं कि सफेद रंग का प्रयोग शांति को दर्शाने के लिए किया जाता है, लाल रंग का प्रयोग खतरे को दर्शाने के लिए किया जाता है. पर क्या आपने कभी गौर किया है कि स्कूल बस का रंग पीला होता है,

जरा हट के

तो इसके पीछे क्या वजह होगी?

स्कूल बसें लाल या नीली क्यों नहीं होतीं? या फिर हरी और बैंगनी क्यों नहीं? इतने सारे रंगों में से सिर्फ पीला रंग ही क्यों चुना गया है? इसके पीछे क्या रहस्य हो सकता है?

दरअसल स्कूल बस का रंग

पीला होने के पीछे एक वैज्ञानिक कारण भी है. पीला रंग अन्य रंगों की अपेक्षा अलग से दिखाई देता है. दुर्घटनाओं से बचने के लिए स्कूल बसों को मुख्य रूप से पीले रंग से रंगा जाता है. हम सभी को पता है कि लाल रंग की तरंगदैर्ध्य 650 नैनोमीटर होती है और ये सबसे दूर से दिखाई देता है. वहीं पीले रंग की तरंगदैर्ध्य 580 नैनोमीटर है, फिर भी इसे स्कूल बस के लिए क्यों इस्तेमाल करते हैं?

इसके पीछे भी एक वजह है. ऐसा 'लैटरल पेरिफेरल विजन' की वजह से होता है, जिसे संक्षेप में 'एलपीवी' कहा जाता है. पीले रंग के लिए ये 'एलपीवी' लाल रंग की तुलना में 1.24 गुना ज्यादा होता है. ऐसे में इसकी दृश्यता और आकर्षण लाल रंग की तुलना में ज्यादा है.

ये रंग बारिश और कोहरे में भी दूर से आसानी से दिखाई देता है. इसलिए भले ही कोई स्कूल बस सीधी नज़र में न हो, अपने पीले रंग के कारण उसे आसानी से देखा जा सकेगा. यही वजह है इन्हें किसी और रंग में नहीं रंगा जाता.

कॉफी पीने की बेलगाम आदत हार्ट अटैक को दे सकती है दावत

- रिसर्च में सामने आई चौंकाने वाली बात

कॉफी को लेकर अक्सर स्टडी होती रहती है. इनमें इसके पॉजीटिव और निगेटिव दोनों असर बताए जाते हैं. दरअसल, कॉफी में कैफीन कंपाउड होता है जो अलर्टनेस को बढ़ा देता है. इसलिए जब आप कॉफी पीते हैं तो आपको ताजगी जैसा महसूस होती है. लेकिन इसकी मात्रा क्या होनी चाहिए, इसे लेकर कोई खास रिसर्च नहीं थी. अब पहली बार एक स्टडी में दावा किया गया है कि यदि आप सप्ताह में पांच दिन कॉफी पीते हैं तो यह कार्डियोवैस्कुलर हेल्थ को बिगाड़ देगा और इससे हार्ट अटैक का जोखिम बढ़ जाएगा. एसीसी एसिया

2024 में प्रकाशित इस रिसर्च पेपर में कहा गया है कि चाहे व्यक्ति कितनी भी हेल्दी क्यों न हो लेकिन अगर वह सप्ताह में पांच दिन तक ज्यादा कॉफी पीता है तो उसे हार्ट डिजीज होने का खतरा है.

कार्डियोवैस्कुलर सिस्टम बिगड़ जाता

मेडिकल न्यूज टूडे के मुताबिक इस स्टडी में 92 हेल्दी लोगों को शामिल किया गया जिनकी उम्र 18 से 45 साल के बीच था. स्टडी से पहले इन सभी लोगों के ब्लड प्रेशर और पल्स रेट की माप ली गई. इसके बाद किसके खून में कितनी कैफीन थी, इसका भी माप लिया गया. इसके बाद दोबारा से ब्लड प्रेशर और पल्स रेट की जांच की गई. इसके साथ ही शोधकर्ताओं ने यह पता लगाया कि ये लोग दिन में कितनी बार कॉफी पीते हैं और सप्ताह में कितने दिन कॉफी पीते हैं. जायडस मेडिकल कॉलेज, दाहोद में डिपार्टमेंट ऑफ इंटरनल मेडिसीन की रिसर्चर नेंसी कागाथारा ने बताया कि जो लोग रेगुलर कैफीन का सेवन करते हैं उनमें पैरासिंपेथेटिक सिस्टम बिगड़ जाता है. इससे ब्लड प्रेशर और हार्ट रेट बढ़ जाता है.

4 कप से ज्यादा कॉफी पीना खतरनाक

शोधकर्ताओं ने बताया कि क्रोनिक कैफीन की आदत वाले लोगों में ऐसा होता है. कैफीन का मतलब सिर्फ कॉफी से ही नहीं है बल्कि चाय, सोडा और एनर्जी ड्रिंक में भी कैफीन होता है. चाय में भी कैफी होता है लेकिन कम होता है. लेकिन अगर आप बहुत ज्यादा चाय का सेवन करेंगे तो कैफीन की मात्रा खून में ज्यादा हो जाएगी. इसे क्रोनिक कैफीन की आदत कहेंगे.

अध्ययन में पाया गया कि 19 प्रतिशत लोग क्रोनिक कैफीन के शिकार थे. ये लोग दिन भर में 400 मिलीग्राम कैफीन ले लेते थे. 400 मिलीग्राम कैफीन का मतलब हुआ कि ये लोग 4 कप कॉफी या दो एनर्जी ड्रिंक या 10 कैन सोडा की बोतल रोजाना पीते थे. हालांकि 400 मिलीग्राम कैफीन का बहुत बुरा असर नहीं पड़ता है लेकिन जब इससे ज्यादा हो जाता तो इससे हार्ट रेट और ब्लड प्रेशर बढ़ने लगता है. और अगर यह आदत ज्यादा दिन तक रहती है तो इससे हार्ट अटैक का खतरा भी बढ़ जाता है.

मखाना खीर

यहां हम आपको घर पर ही टेस्टी कुल्हड़ वाली मखाना खीर बनाने की आसान रेसिपी बता रहे हैं। कमाल की बात यह है कि इस रेसिपी की मदद से आप बेहद कम समय में खीर बना सकते हैं, साथ ही इसे बनाना भी आसान है और इसके लिए आपको बेहद कम चीजों की जरूरत होगी। ऐसे में मीठे की क्रेविंग होने पर आप झटपट अपने लिए ये खीर बना सकते हैं। आइए स्टेप बाय स्टेप जानते हैं इसे बनाने का तरीका-

सामग्री :

- मखाना खीर बनाने के लिए आपको 1 लीटर फुल क्रीम दूध
- 1-1/2 कप मखाना
- बादाम
- काजू
- पिस्ता
- 1 बड़ा चम्मच घी
- 5 बड़े चम्मच चीनी
- केसर
- इलाइची पाउडर और
- कुल्हड़ की जरूरत होगी।

विधि :

इसके लिए सबसे पहले एक पैन में घी डालकर गर्म कर लें। घी गर्म होने पर इसमें काजू, बादाम

और पिस्ता डालकर भून लें। इसके बाद इसी पैन में बचे हुए घी में मखाने डालकर क्रंची होने तक भून लें। जब मखाने हल्के ठंडे हो जाएं, तब इन्हें हाथों की मदद से क्रश कर लें। अब, गैस पर दूध गर्म होने के लिए रखें और इसे अच्छी तरह उबाल लें, साथ ही इसमें केसर भी डालें। दूध उबल जाने पर इसमें मखाने डालें और दूध को गाढ़ा होने तक गैस पर रखें। इसके बाद दूध में चीनी डालें। चीनी अच्छी तरह घुल जाने पर भुने हुए ड्राई फ्रूट्स को छोटे टुकड़ों में काटकर दूध में डाल लें। इसके बाद दूध में इलाची पाउडर डालकर खीर को गाढ़ा होने दें। तैयार होने पर खीर को कुल्हड़ में डालें और कुछ देर के लिए छोड़ दें। हल्का ठंडा होने पर कुल्हड़ वाली खीर को फ्रिज में रखें और फिर आप इसका सेवन कर सकते हैं।

रात में जल्दी नहीं आती नींद?

- ट्राई करें ये उपाय
- अपने आप बन जाएगा नियम

रात में जल्दी नींद न आने की समस्या कइयों को होती है. हम में से बहुत लोग ऐसे होते हैं जो जल्दी सोने का ट्राई करते हैं ताकि सुबह उठने में देरी न हो, फिर भी लोग सोते-सोते 2-3 बजा ही देते हैं. नींद पूरी न होने की वजह से थकान होती है और आपके ऑफिस या कॉलेज का काम प्रभावित होता है. अगर आप इस चीज से छुटकारा पाना चाहते हैं और अपने डेली रूटीन को सही करना चाहते हैं तो आइए जानते हैं ये टिप्स

- रात में करेंगे ये काम तो जल्दी आएगी नींद
- हॉट शॉवर

हमेशा कोशिश करें कि 10 बजे आप बेड पर सोने के किए पहुंच जाएं. सोने से पहले गुनगुने पानी का शॉवर ले लें ताकि आपके शरीर का तापमान

स्थिर हो जाए. 2019 की एक रिसर्च के मुताबिक, रात को सोने से 1-2 घंटे पहले गर्म पानी से नहाना चाहिए. इससे नींद अच्छी आती है.

- फुट वॉश

सोने जाने से पहले आप फुट वॉश जरूर करें. फुट वॉश करने से आपके शरीर को आराम मिलता है. इसके बाद ऑयल से इसपर 4-5 मिनट के लिए मसाज करें. थोड़ी देर में यह आपको अच्छी नींद में ले जाएगा.

- शरीर को इस अवस्था में रखें

बेड पर सीधा लेटकर अपने सिर को नीचे की ओर लटका लें. शरीर की यह अवस्था आपके माइंड को रिलैक्स करेगी. ऐसा करने के बल्ड सर्कुलेशन बढ़ेगा, जिससे आपके बाल भी हेल्दी होंगे.

- रूटीन में शामिल करें वर्कआउट

आप सुबह या शाम को एक्सरसाइज जरूर करें. कुछ ऐसी एक्टिविटी करें जो आपको फिट रखेगी इसके अलावा यह आपके रूटीन को भी ठीक कर देगी. दौड़ना, हाइकिंग, साइक्लिंग या वेट लिफ्टिंग. ऐसी आउटडोर एक्टिविटी से आपको थकान महसूस होगी और रात में जल्दी नींद आएगी. इसके अलावा रात का डिनर भी लाइट रखें.

मिक्सर हो गया है गंदा

...तो अपनायें ये आसान तरीका

आप भी अक्सर कुछ न कुछ बनाने के लिए मिक्सर या फिर ब्लेंडर का इस्तेमाल जरूर करते होंगे. चटनी और मसाले पीसने की वजह से मिक्सर के नीचे चिकनाई और काफी गंदगी जमा होने लगती है. लेकिन मिक्सर के नीचे बने ब्लेड्, इसकी सफाई के काम को मुश्किल बना देते हैं. इतना ही नहीं ब्लेंडर के निचले हिस्से को साफ करने में उंगली के कटने का डर भी रहता है. आइए एक ऐसे तरीके के बारे में जानते हैं जिसे इस्तेमाल कर आप झटपट मिक्सर/ब्लेंडर को एकदम साफ कर सकते हैं.

- असरदार साबित होगा हैक

ब्लेंडर या फिर मिक्सर के जार वाले हिस्से को पूरी तरह से साफ करने के लिए आपको बर्फ के कुछ टुकड़ों की जरूरत पड़ेगी. सबसे पहले मिक्सर में बर्फ के कुछ टुकड़ों को डाल दीजिए. इसके बाद आपको मिक्सर में थोड़ा सा लिक्विड सोप को भी एड करना है. अब आपको बर्फ और लिक्विड सोप को एक साथ ब्लेंड करना है. यकीन मानिए चुटकियों में आपका पूरा मिक्सर साफ हो जाएगा.

- समझें इसके पीछे की वजह

बर्फ और लिक्विड सोप का मिक्सचर ब्लेंडर में मौजूद सारी की सारी गंदगी को रिमूव करने का काम करेगा.

दरअसल लिक्विड सोप चिकनाहट को हटाएगा और बर्फ इस चिकनाहट को झाग बनाकर ऊपर की तरफ लेकर आएगी. इस हैक को फॉलो करने के बाद जब आप मिक्सर को साफ पानी से धोएंगे तो आप खुद-ब-खुद पॉजिटिव रिजल्ट देखकर हैरान रह जाएंगे.

- क्यों जरूरी है मिक्सर को साफ करना?

अगर आपने मिक्सर को अच्छी तरह से क्लीन नहीं किया तो आपके मिक्सर में से बदबू आने लग जाएगी. चिकनाई जमा होने की वजह से जार में कीटाणुओं के पैदा होने की संभावना भी बढ़ सकती है. इसलिए किचन में हाइजीन मेंटेन करने के लिए आपको अपने मिक्सर या फिर ब्लेंडर को जरूर साफ करना चाहिए. साफ-सफाई की कमी आपकी सेहत पर बुरा असर डाल सकती है.

आज का राशिफल

मेष – यात्रा लाभदायक रहेगी। शेयर मार्केट, म्युचुअल फंड से मनोनुकूल लाभ होगा। बेरोजगारी के प्रयास सफल रहेंगे। भेंट व उपहार की प्राप्ति होगी। कोई बड़ी समस्या का हल सहज ही होगा। समय अनुकूल है। स्वास्थ्य का पाया कमजोर रहेगा। वाणी पर नियंत्रण रखें। वस्तुएं संभालकर रखें।

वृषभ – व्यवसाय ठीक चलेगा। आय में निश्चितता रहेगी। चिंता तथा तनाव रहेंगे। विवाद को बढ़ावा न दें। फालतू खर्च होगा। अपेक्षाकृत कार्यों में विलंब होगा। लेन-देन में जल्दबाजी न करें। किसी व्यक्ति के बहकावे में न आएं। परिवार के किसी व्यक्ति के स्वास्थ्य पर खर्च होगा। जल्दबाजी न करें।

मिथुन – यात्रा लाभदायक रहेगी। रुका हुआ धन प्राप्त हो सकता है। आय में वृद्धि होगी। लाभ में वृद्धि होगी। कारोबार में वृद्धि होगी। शेयर मार्केट से लाभ होगा। व्यापार ठीक चलेगा। नौकरी में प्रभाव बढ़ेगा। समय की अनुकूलता का लाभ लें। विरोधी सक्रिय रहेंगे। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। पारिवारिक चिंता रहेगी।

कर्क – किसी बड़े काम को करने की तीव्र इच्छा जागृत होगी। आर्थिक उन्नति की योजना बनेगी। व्यापार लाभदायक रहेगा। कार्यस्थल पर परिवर्तन हो सकता है। नए उपक्रम प्रारंभ हो सकते हैं। कार्यसिद्धि होगी। प्रसन्नता में वृद्धि होगी। मान-सम्मान मिलेगा। जल्दबाजी से काम बिगड़ सकते हैं।

सिंह – आज धार्मिक अनुष्ठान में भाग लेने का अवसर प्राप्त होगा। तीर्थयात्रा की योजना बनेगी। कानूनी अड़चन दूर होकर लाभ की स्थिति बनेगी। व्यापार-व्यवसाय मनोनुकूल लाभ देगा। निवेश में सोच-समझकर हाथ डालें। नौकरी में प्रभाव बढ़ेगा। पार्टनरों का सहयोग मिलेगा। प्रमाद न करें।

कन्या – व्यवसाय ठीक चलेगा। आय होगी। विवाद को बढ़ावा न दें। चोट व दुर्घटना के प्रति सावधानी आवश्यक है। लेन-देन में जल्दबाजी न करें। कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। बनते कामों में विघ्न आ सकते हैं। चिंता तथा तनाव रहेंगे। बेकार बातों की तरफ ध्यान न दें। फालतू खर्च होगा।

तुला – कानूनी अड़चन दूर होकर लाभ की स्थिति बनेगी। शत्रु पस्त होंगे। प्रेम-प्रसंग में अनुकूलता रहेगी। व्यापार लाभदायक रहेगा। जोखिम उठाने का साहस कर पाएंगे। भाइयों का सहयोग प्राप्त होगा। मानसिक बेचैनी रहेगी। सभी तरफ से सफलता प्राप्त होगी। ऐश्वर्य के साधनों पर अधिक व्यय होगा।

वृश्चिक – किसी व्यक्ति के बहकावे में न आएं। कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। स्थायी संपत्ति के कार्य बड़ा लाभ दे सकते हैं। उन्नति के मार्ग प्रशस्त होंगे। बेरोजगारी दूर करने के प्रयास सफल रहेंगे। समय की अनुकूलता का लाभ लें। स्वास्थ्य का पाया कमजोर रह सकता है। जोखिम न उठाएं। प्रसन्नता रहेगी।

धनु – कानूनी अड़चन सामने आएगी। जोखिम व जमानत के कार्य टालें। बेचैनी रहेगी। व्यर्थ दौड़धूप रहेगी। रचनात्मक कार्य सफल रहेंगे। पार्टी व पिकनिक का आनंद प्राप्त होगा। मित्रों के साथ समय मनोरंजक व्यतीत होगा। प्रसन्नता में वृद्धि होगी। नौकरी में प्रभाव बढ़ेगा। रोजगार मिलेगा।

मकर – कोई बड़ी बाधा उठ खड़ी हो सकती है। कीमती वस्तुएं संभालकर रखें, गुम हो सकती है। विवाद के बढ़ावा न दें। बुरी खबर मिल सकती है, धैर्य रखें। किसी व्यक्ति विशेष से कहासुनी हो सकती है। मेहनत अधिक होगी। लाभ के अवसर टलेंगे। मानसिक बेचैनी रहेगी। व्यवसाय ठीक चलेगा।

कुंभ – मान-सम्मान मिलेगा। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। मेहनत का फल मिलेगा। मित्रों का सहयोग कर पाएंगे। जोखिम उठाने का साहस कर पाएंगे। व्यापार लाभदायक रहेगा। निवेश शुभ रहेगा। ऐश्वर्य के साधनों पर खर्च होगा। घर-बाहर सुख-शांति रहेगी। भाग्य का साथ रहेगा।

मीन – रोजगार में वृद्धि होगी। व्यावसायिक यात्रा लाभदायक रहेगी। बेरोजगारी दूर करने के प्रयास सफल रहेंगे। नवीन वस्त्राभूषण की प्राप्ति होगी। कोई बड़ा कार्य हो जाने से प्रसन्नता रहेगी। निवेश लाभदायक रहेगा। भाग्योन्नति के प्रयास सफल रहेंगे। विवाद से बचें। आवश्यक वस्तु गुम हो सकती है।

-ज्योतिषाचार्य पंडित अतुल शास्त्री

लेख में दी गई समस्त जानकारियां और सूचनाएं सामान्य मान्यताओं पर आधारित हैं. 'उल्हास विकास' इनकी पुष्टि नहीं करता है. इन पर अमल करने से पहले संबंधित विशेषज्ञ से संपर्क करें.

डॉक्टर का गैंगरेप नहीं

■ **कोलकाता कांड में CBI ने किया बड़ा खुलासा**

कोलकाता. कोलकाता में ट्रेनी डॉक्टर की हत्या मामले में सीबीआई ने नया खुलासा किया है। केंद्रीय जांच एजेंसी को अब तक की जांच से पता चला है कि डॉक्टर के साथ गैंगरेप नहीं हुआ था। सीबीआई के मुताबिक आरजी कर मेडिकल कॉलेज और अस्पताल में डॉक्टर के बलात्कार और हत्या में संजय रॉय नामक व्यक्ति की ही संलिप्तता है। आपको बता दें कि 13 अगस्त को इस मामले की जांच की जिम्मेदारी सीबीआई को सौंपी गई थी।

इंडिया टुडे ने सूत्रों के हवाले से बताया कि फोरेंसिक रिपोर्ट में यह भी बताया गया है कि डॉक्टर का बलात्कार और हत्या संजय रॉय नामक व्यक्ति ने ही की थी। वह कोलकाता पुलिस से जुड़ा हुआ था। डीएनए रिपोर्ट ने भी उसकी संलिप्तता की पुष्टि की है।

संजय रॉय को 10 अगस्त को गिरफ्तार किया गया था। इससे ठीक एक दिन पहले अस्पताल के सेमिनार हॉल में डॉक्टर का अर्धनग्न शव मिला था। इसके अलावा सीबीआई ने सीसीटीवी फुटेज की भी जांच की है, जिसमें उसे उस इमारत में प्रवेश करते हुए देखा गया है, जहां डॉक्टर की हत्या की गई थी। आरोपी का घरेलू हिंसा का इतिहास रहा है। इसके बावजूद, उसकी अस्पताल के सभी विभागों में पहुंच थी। उसे क्राइम सीन से उसका ब्लूटूथ हेडसेट मिलने के बाद गिरफ्तार किया गया।

आपको यह बता दें कि सीबीआई ने इस मामले में और लोगों की संलिप्तता पर अपनी जांच पूरी नहीं की है। एजेंसी द्वारा फोरेंसिक रिपोर्ट को स्वतंत्र विशेषज्ञों को उनकी अंतिम राय लेने के लिए भेजे जाने की संभावना है। इससे पहले, एक डॉक्टर ने दावा किया था कि पीड़िता के साथ सामूहिक बलात्कार किया गया होगा। डॉ. सुवर्ण गोस्वामी ने इंडिया टुडे को बताया था कि प्रशिक्षु डॉक्टर को लगी चोटों की प्रकृति किसी एक व्यक्ति का काम नहीं हो सकती।

पीड़िता के माता-पिता ने भी कलकत्ता हाईकोर्ट के समक्ष यह तर्क रखा जिसमें उसके शरीर में काफी मात्रा में वीर्य की मौजूदगी का आरोप लगाया गया, जो सामूहिक बलात्कार का संकेत देता है।

मंदिर की घंटी बजाने पर प्रदूषण का नोटिस

■ **बोर्ड ने कहा-धीमे और कम देर तक बजाएं**

■ **विरोध पर आदेश वापस**

नई दिल्ली. यूपी पॉल्यूशन कंट्रोल बोर्ड ने मंदिर की घंटी बजाने को लेकर ग्रेटर नोएडा की एक सोसाइटी को नोटिस भेजा। जांच में घंटी की आवाज मानकों से अधिक मिली। बोर्ड ने अपार्टमेंट ऑनर एसोसिएशन से घंटी की आवाज कम करने को कहा।

पॉल्यूशन कंट्रोल बोर्ड के नोटिस के बाद अपार्टमेंट ऑनर एसोसिएशन ने सोसाइटी के वॉट्सऐप ग्रुप और नोटिस बोर्ड पर एक सूचना जारी की। इसमें कहा गया कि लोग घंटी धीरे बजाएं और ज्यादा देर तक न बजाएं।

मामला सामने आने के बाद सोसाइटी के लोग नाराज हो गए। उन्होंने पॉल्यूशन कंट्रोल बोर्ड का जमकर विरोध किया। सोशल मीडिया पर इसके विरोध में अभियान चलाया। मामले को तूल पकड़ता देख पॉल्यूशन कंट्रोल बोर्ड ने बुधवार देर रात घंटी धीमी बजाने का आदेश वापस ले लिया। मामला ग्रेटर नोएडा के गौड़ सौंदर्यम सोसाइटी का है।

जांच अफसरों ने बताया कि कई बार निगरानी करने के बाद अपार्टमेंट ऑनर एसोसिएशन (AOA) को नोटिस जारी कर आवाज कम करने का आग्रह किया गया। इसके बाद भी वैसी ही स्थिति बनी रही। फिर नोटिस जारी किया गया। नोटिस में कहा गया है कि मंदिर की घंटी की आवाज दिन में 55 डेसिबल और रात में 45 डेसिबल से अधिक हो रही है।

नोटिस भेजने पर यूपी पॉल्यूशन कंट्रोल बोर्ड के क्षेत्रीय अधिकारी डीके गुप्ता ने कहा- गौड़ सौंदर्यम सोसाइटी के कुछ निवासियों ने मंदिर की घंटी की तेज आवाज की शिकायत की थी। जांच की तो घंटी की आवाज मानकों से अधिक मिली। जिस पर AOA को ध्वनि प्रदूषण के मानकों का पालन करने का नोटिस जारी किया गया। लोगों के विरोध के बाद आदेश वापस ले लिया है।

जांच में आवाज 72 डेसिबल मिली, 55 से कम चाहिए

गौड़ सौंदर्यम सोसाइटी के 2 टावरों के बीच कॉमन एरिया में 'हरे रामा हरे कृष्णा' मंदिर बना है। यहां सोसाइटी के लोग पूजा-अर्चना करते हैं। मंदिर में एक बड़ी घंटी लगी है। पूजा करने आने वाले लोग घंटी बजाते हैं। घंटी की तेज आवाज से सोसाइटी के किसी सदस्य को परेशानी हो रही थी। इसकी शिकायत मुदित बंसल नाम की मेल आईडी से पॉल्यूशन कंट्रोल बोर्ड को की गई।
30 जुलाई को शिकायत मिली। 5 अगस्त को पॉल्यूशन कंट्रोल बोर्ड ने जांच की तो घंटी की आवाज मानकों से अधिक मिली। आवाज 72 डेसिबल थी, जबकि 55 डेसिबल से कम होनी चाहिए।

खबरें गांव की...

इटावा में नाली निर्माण के दौरान दीवार गिरने से पांच मनरेगा मजदूर दबे, तीन की मौत

इटावा. इटावा जिले के बकेवर इलाके में नाली निर्माण के दौरान दीवार गिरने से तीन मनरेगा मजदूरों की मलबे में दबने से मौत हो गई जबकि दो अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। पुलिस अधीक्षक ग्रामीण सत्यपाल सिंह ने बताया कि गुरुवार दोपहर करीब साढ़े 12 बजे मेहंदीपुर गांव में नाली निर्माण के दौरान हादसे में पांच मजदूर मलबे में दब गए। मलबे को हटा करके मजदूरों को बाहर निकाला गया मगर तब तक तीन की मौत चुकी थी जबकि दो अन्य को गंभीर हालत में डॉ भीमराव अंबेडकर संयुक्त चिकित्सालय में भर्ती कराया गया है। उन्होंने बताया कि मृतकों की पहचान प्रदीप (40),चंद्रप्रकाश (45) और रामानंद (35) के तौर पर की गयी है।

भेड़िए ने किया सातवां शिकार, दादी के हाथों से आठ साल की मासूम को छीन ले गया जानवर

बहराइच. बहराइच जिले में इन दिनों खूनी भेड़िए का आतंक जारी है। खूंखार भेड़िए अब तक सात लोगों को अपना शिकार बना चुका है। बुधवार की रात भी एक मासूम को खूनी भेड़िए ने निवाला बना डाला। हरदी थाने के पूरे बस्ती गड़रिया के भटौली मजरा निवासी आठ वर्षीय मासूम बच्ची को बुधवार की रात करीब 11 बजे दादी के हाथों से खूनी भेड़िया छीन ले गया। शोर सुनकर गांव में रात्रि गश्त टीम के साथ मौजूद बीडीओ महसी तत्काल सुबह छह बजे गांव से दूर नाले के किनारे मिला शव। महसी के भटौली गांव निवासी राजेश कुमार की मासूम बेटी खुशबू अपनी दादी रूपा के साथ बाहर चारपाई पर लेटी थी। तभी अचानक बिजली के उजाले में एक भेड़िया आया और खुशबू को मुंह में दबाकर खींचने लगा। जग रही उसकी दादी ने पोती को पकड़कर अपनी तरफ खींचा कुछ देर भेड़िए और दादी के बीच हुई खुशबू को छीना झपटी के बावजूद भी भेड़िया मासूम को उठा ले गया।

पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे पर हादसा, 6 बार पलटी कार, मां-बेटे की मौत

सुल्तानपुर. सुल्तानपुर में पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे पर सड़क हादसे में मां और बेटे की मौत हो गई। गंभीर हालत में पति को अंबेडकर नगर मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया है। एक्सप्रेस-वे के किमी 143 पर गोवंश के सामने आ जाने से कार छह बार पलटी, इस पर सवार मां-बेटे खाई में जा गिरे। दोनों की मौत हो गई है, वहीं कार ड्राइव कर रहे मृत बच्चे के पिता की हालत गंभीर है। जिन्हें अम्बेडकरनगर रेफर किया गया है। आजमगढ़ जिले के भैसहा थाना अंतर्गत नगवा मैदो गांव निवासी सर्वेश कुमार (38) पुत्र शिवकुमार पत्नी गीता (35) और पुत्र युग को लेकर लखनऊ से आजमगढ़ जा रहे। अभी कार दोस्तपुर थाना क्षेत्र के किमी 143 पर गोसैसिंहपुर अंडरपास के पास पहुंची थी कि एकाएक एक गोवंश सामने आ गया। ऐसे में कार पलट गई, और एक के बाद एक छह बार कार पलटी। कार स्पीड में थी, इस पर सवार गीता व युग कार से निकलकर रोड के किनारे नाले में जा गिरे। स्थानीय लोगों ने सूचना यूपीडा व थाना दोस्तपुर को दी।

शरद पवार को मिली 'जेड प्लस' सिक्योरिटी

■ **CRPF के 55 जवानों की टीम करेगी सुरक्षा**

नई दिल्ली. केंद्र की नरेंद्र मोदी सरकार ने बुधवार को राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरदचंद्र पवार) के प्रमुख शरद पवार को 'जेड प्लस' श्रेणी की सुरक्षा प्रदान की। आधिकारिक सूत्रों ने यह जानकारी दी। केंद्रीय गृह मंत्रालय ने केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) से महाराष्ट्र के 83 वर्षीय पूर्व मुख्यमंत्री को सुरक्षा मुहैया कराने को कहा है। इस कार्य के लिए सीआरपीएफ के 55 सशस्त्र जवानों की एक टीम को तैनात किया गया है।

सूत्रों ने बताया कि केंद्रीय एजेंसियों द्वारा खतरे के आकलन की समीक्षा में पवार को मजबूत सुरक्षा प्रदान करने की सिफारिश की गई है। सूत्रों ने बताया कि केंद्र ने उन्हें 'जेड प्लस' श्रेणी का सुरक्षा घेरा प्रदान किया है। सूत्रों के अनुसार सीआरपीएफ की एक टीम इस कार्य को करने के लिए पहले से ही महाराष्ट्र में है। 'जेड प्लस' सुरक्षा सशस्त्र वीआईपी सुरक्षा की सर्वोच्च श्रेणी है। वीआईपी सुरक्षा श्रेणी का वर्गीकरण उच्चतम 'जेड प्लस' से शुरू होता है। इसके बाद 'जेड', 'वाई प्लस', 'वाई' और 'एक्स' आते हैं।

बता दें कि शरद पवार तीन बार महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री रह चुके हैं। वे 1978-1980, 1988-1991, और 1993-1995 तक महाराष्ट्र के सीएम रहे। इसके अलावा, पवार ने केंद्र सरकार में भी महत्वपूर्ण भूमिकाएं निभाई हैं। उन्होंने कृषि मंत्री, रक्षा मंत्री जैसे महत्वपूर्ण पदों पर कार्य किया है। 1999 में उनके द्वारा सह-स्थापित एनसीपी को पिछले साल जुलाई में उनके भतीजे अजित पवार ने विभाजित कर दिया था। चुनाव आयोग ने अजीत गुट को 'असली' एनसीपी के रूप में मान्यता दी है। फिलहाल एनसीपी (एसपी) ने इसे सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी है।

सीआरपीएफ की वीआईपी सुरक्षा शाखा एक स्पेशल यूनिट है जो केंद्रीय गृह मंत्रालय द्वारा बताए गए लोगों को सुरक्षा प्रदान करती है। इन वीआईपी में केंद्रीय मंत्री, राज्यपाल, राजनेता, सरकारी अधिकारी, आध्यात्मिक नेता, व्यवसायी और अन्य प्रमुख व्यक्ति शामिल हैं।

जानवर प्रवृत्ति का है कोलकाता कांड का आरोपी संजय रॉय

■ **साइकोएनालिसिस टेस्ट से चौंकाने वाला खुलासा**

कोलकाता. कोलकाता के आरजी कर मेडिकल कॉलेज में ट्रेनी डॉक्टर के साथ हुए रेप और मर्डर केस को लेकर देशभर में विरोध प्रदर्शन हो रहा है। इस मामले में आरोपी संजय रॉय का सीबीआई ने साइकोएनालिसिस करवाया था, जिसमें चौंकाने वाले खुलासे हुए हैं। सामने आया है कि आरोपी संजय यौन विकृत मानसिकता वाला है और इसमें जानवरों जैसी प्रवृत्ति है। सीबीआई एक्सपर्ट्र्स ने रॉय के बयानों को भी स्कैन किया और उसे पोस्टमॉर्टम और फोरेंसिक निष्कर्षों से जोड़ने की कोशिश की है।

'टाइम्स ऑफ इंडिया' की रिपोर्ट के अनुसार, सीबीआई अधिकारियों ने बताया है कि अपराध वाली जगह पर संजय रॉय की मौजूदगी की पुष्टि तकनीकी और वैज्ञानिक सबूतों से हुई है।

सीबीआई ने जब मामले को अपने हाथ में लिया, उससे पहले कोलकाता पुलिस ने बताया था कि रेप पीड़िता के नाखूनों के नीचे पाए गए खून और त्वचा पर बने निशान संजय रॉय के हाथों पर लगी चोटों से मैच होते हैं। इस मामले में अब तक हुई जांच की स्टेटस रिपोर्ट सीबीआई सुप्रीम कोर्ट में गुरुवार तक सौंपेगी।

सीबीआई सूत्रों का कहना है कि आरजी कर से बरामद हुई सीसीटीवी फुटेज में दिखाई दे रहा है कि संजय रॉय आठ अगस्त को सुबह 11 बजे के आसपास चेस्ट डिपार्टमेंट के पास मौजूद था। उस समय पीड़िता चार अन्य जूनियर डॉक्टर्स के साथ वॉर्ड में थी।

'समस्या का हल जंग नहीं'

पोलैंड की धरती से पीएम मोदी की इजरायल और रूस को नसीहत

नई दिल्ली. प्रधानमंत्री मोदी अपनी दो देशों की यात्रा के पहले चरण में पोलैंड पहुंचे हैं। उन्होंने यूक्रेन और पश्चिम एशिया में चल रहे संघर्षों पर गहरी चिंता जताई। उन्होंने पोलैंड की धरती से कहा कि किसी भी समस्या का हल रणभूमि में नहीं बल्कि संवाद और कूटनीति से हो सकता है। पीएम मोदी ने कहा, "यूक्रेन और पश्चिम एशिया में चल रहे संघर्ष हम सभी के लिए गहरी चिंता का विषय हैं। भारत का यह दृढ़ विश्वास है कि किसी भी समस्या का समाधान रणभूमि में नहीं हो सकता। किसी भी संघर्ष में निर्दोष नागरिकों की जान जाना एक बड़ी चुनौती बन गया।"

पीएम मोदी ने कहा कि भारत अपने मित्र देशों के साथ मिलकर बातचीत में हरसंभव सहयोग देने के लिए तैयार है। पीएम मोदी ने कहा कि हम डायलॉग और डिप्लोमेसी का समर्थन करते हैं। हम आतंकवाद के खिलाफ भी लड़ाई को जरूरी मानते हैं। यह वैश्विक चुनौती है, जिसके लिए सबको साथ आना होगा। पीएम मोदी पोलैंड के बाद यूक्रेन का भी दौरा करेंगे। यूक्रेन की यात्रा से पहले प्रधानमंत्री मोदी ने बुधवार को कहा कि भारत अशांत क्षेत्र में शांति का समर्थन करता है और उन्होंने दोहराया कि यह युद्ध का युग नहीं है और किसी भी संघर्ष को कूटनीति और बातचीत के माध्यम से हल किया जाना चाहिए।

4 डॉक्टरों समेत होगा पॉलीग्राफ टेस्ट; CBI को मिली इजाजत

कोलकाता. कोलकाता के आरजी कर मेडिकल कॉलेज और अस्पताल में एक ट्रेनी डॉक्टर के कथित रेप एंड मर्डर केस में अब पूर्व प्रिंसिपल डॉ संदीप घोष पर सीबीआई का शिकंजा कस गया है। सीबीआई अब घोष का लाई डिटेक्टर टेस्ट यानी झूठ बोलने की जांच कराएगी। कोलकाता की एक अदालत ने पूर्व प्रिंसिपल के अलावा चार अन्य डॉक्टरों का भी पॉलीग्राफ टेस्ट कराने की मंजूरी दे दी है। सीबीआई सूत्रों ने इसकी जानकारी दी है। पिछले सप्ताह कलकत्ता हाई कोर्ट के आदेश पर कोलकाता पुलिस से अपने हाथों में जांच लेने वाली सीबीआई ने पिछले कुछ दिनों में संदीप घोष से कई बार मैराथन पूछताछ की है लेकिन घोष हर बार बयान बदलते रहे हैं।

रोज आते हैं 90 रेप केस, केंद्र बनाए कड़े कानून -ममता बनर्जी

कोलकाता. ट्रेनी डॉक्टर से रेप के बाद हत्या को लेकर पश्चिम बंगाल की ममता सरकार कटघरे में हैं। मामले की सीबीआई जांच के बीच ममता बनर्जी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को एक पत्र लिखकर रेप के मामलों में सख्त कानून बनाने की अपील की है। अपने पत्र में ममता बनर्जी ने जिक्र किया कि हर दिन रेप से जुड़े 90 मामले सामने आते हैं। उन्होंने कहा कि इस तरह के मामलों में त्वरित और कठोर कार्रवाई की आवश्यकता है। ममता बनर्जी ने अपने पत्र में यह भी कहा कि ऐसे मामलों के खिलाफ प्रभावी कानूनी प्रावधानों को लागू करना न केवल न्याय की सख्ती को सुनिश्चित करेगा बल्कि समाज में सुरक्षा की भावना को भी मजबूत करेगा। ममता बनर्जी ने प्रधानमंत्री से आग्रह किया कि इस दिशा में त्वरित कदम उठाए जाएं ताकि ऐसे अमानवीय अपराधों को रोकने में मदद मिल सके।

जम्मू-कश्मीर में कांग्रेस और NC मिलकर लड़ेंगे चुनाव

■ **PDP के भी साथ आने के संकेत**

श्रीनगर. जम्मू-कश्मीर में कांग्रेस और नेशनल कॉन्फ्रेंस मिलकर चुनाव लड़ेंगे। पूर्व सीएम फारूक अब्दुल्ला ने गुरुवार को राहुल गांधी और मल्लिकार्जुन खरगे से लंबी मुलाकात के बाद इसका ऐलान किया। अब्दुल्ला ने कहा कि जल्दी ही हम सीट बंटवारे का ऐलान करेंगे और घोषणापत्र भी जारी किया जाएगा। यही नहीं उन्होंने मीडिया की ओर से पीडीपी को भी साथ लाने के सवाल पर सकारात्मक रुख दिखाया। अब्दुल्ला ने कहा कि हमारे दरवाजे समान विचारधारा वाले किसी भी दल के लिए बंद नहीं हैं और भविष्य में किसी भी बात पर विचार किया जा सकता है। वहीं जीत की स्थिति में खुद के सीएम बनने के सवाल को हंसकर टाल दिया।

फारूक अब्दुल्ला ने कहा, 'हमारे लोग साथ हैं। यहां के लोगों ने 10 साल तक संघर्ष किया है। अब हम उनके लिए उम्मीद करते हैं कि राज्य का दर्जा बहाल किया जाएगा। फारूक अब्दुल्ला ने कहा कि हमारी गठबंधन पर बातचीत चल रही है। इस पर जल्दी ही कुछ फैसला हो जाएगा। अब्दुल्ला ने कहा कि हमारा एक ही संकल्प है कि साथ मिलकर विभाजनकारी ताकतों को हटाया जाएगा। उन्होंने कहा कि हम मिलकर चुनाव लड़ेंगे। सीटों पर ऐलान जल्दी ही होगा।' उन्होंने कहा कि हमें उम्मीद है कि जल्दी ही जम्मू-कश्मीर को सारे हक हम दिला पाएंगे।

हालांकि उन्होंने यह बताने से भी इनकार कर दिया कि वह खुद या फिर बेटे उमर अब्दुल्ला चुनाव में उतरेंगे या नहीं। बता दें कि लोकसभा चुनाव में उमर अब्दुल्ला और महबूबा मुफ्ती को करारी हार का सामना करना पड़ा था। हाल ही में नेशनल कॉन्फ्रेंस के नेताओं ने फारूक और अब्दुल्ला से चुनाव में उतरने की अपील की थी। इन नेताओं का कहना था कि इसे नेताओं का हौसला बढ़ेगा।

टिम साउथ ने की बुमराह की तारीफ

■ **कहा- वह पहले से भी बेहतर हो गए हैं, तीनों फॉर्मेट में बेस्ट**

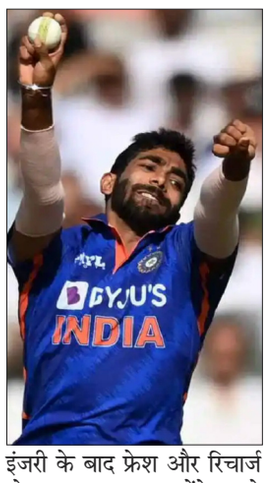

न्यू जीलैंड के दिग्गज तेज गेंदबाज टिम साउदी ने भारतीय टीम के स्टार तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह की तारीफ की है। साउदी का मानना है कि इंजरी से वापस आने के बाद बुमराह और भी बेहतर हो गए हैं। वह मौजूदा समय में दुनिया के बेस्ट ऑल-अराउंड गेंदबाज हैं।

जसप्रीत बुमराह ने पिछले साल अगस्त में एक लंबी इंजरी के बाद वापसी की थी। वह बैक इंजरी की वजह से 11 महीने तक क्रिकेट के मैदान से दूर रहे थे। लेकिन इंजरी से वापसी करने के बाद बुमराह पहले से भी ज्यादा खतरनाक हो गए।

बुमराह तीनों फॉर्मेट में सबसे बेहतरीन हैं

इतनी बड़ी इंजरी के बाद बुमराह की दमदार वापसी को लेकर टिम साउदी ने कहा, 'वह निश्चित रूप से अविश्वसनीय रहे हैं, सबसे पहले अपनी बड़ी चोट से उबरकर वापस आए और पहले से भी ज्यादा बेहतर बनकर आए। इस बीच कई फॉर्मेट्स में खेलना मुश्किल हो जाता है, लेकिन उन्होंने बड़ी ही आसानी से ऐसा किया है।'

साउदी ने आगे कहा, 'वह अब ज्यादा अनुभवी हैं और अपने खेल को समझते हैं। वह इंजरी के बाद फ्रेश और रिचार्ज होकर वापस आए होंगे। मुझे लगता है कि हमने तीनों फॉर्मेट में बुमराह का शानदार प्रदर्शन देखा है। वह इस समय तीनों फॉर्मेट में शानदार हैं। मुझे नहीं लगता कि उनसे बेहतर कोई और है।'

वापसी के बाद और भी बेहतर हुए बुमराह

अगस्त 2023 में अपनी वापसी के बाद बुमराह और भी ज्यादा बेहतर हो गए हैं। उन्होंने तीनों ही फॉर्मेट में जबरदस्त प्रदर्शन किया है। जहां वनडे वर्ल्ड कप में उन्होंने 20 विकेट हासिल किए। वहीं इंग्लैंड के खिलाफ 4 टेस्ट मैचों में उन्होंने 19 बल्लेबाजों का शिकार किया। जबकि T-20 वर्ल्ड कप में उन्होंने महज 4.17 की इकॉनमी से रन देकर 15 विकेट लिए और प्लेयर ऑफ द टूर्नमेंट का खिताब जीता।

आशा पारेख को महाराष्ट्र सरकार ने दिया लाइफटाइम अचीवमेंट अवॉर्ड

मुंबई. वेटरन एक्ट्रेस आशा पारेख, अपने दौर में हिंदी फिल्मों की टॉप एक्ट्रेसेज में से एक रही हैं. 'कटी पतंग', 'तीसरी मंजिल' और 'उपकार' जैसी कई यादगार फिल्मों में कर चुकीं आशा पारेख की शानदार अचीवमेंट्स की लिस्ट में एक और बड़ा सम्मान दर्ज हो गया है.

बुधवार को महाराष्ट्र सरकार ने आशा पारेख को राज कपूर लाइफटाइम अचीवमेंट अवॉर्ड से सम्मानित किया. आशा को इससे पहले 2020 में दादासाहेब फाल्के अवॉर्ड भी मिल चुका है. चार दशकों में 85 से ज्यादा फिल्में करने वालीं आशा को 1992 में भारत सरकार ने पद्म श्री सम्मान भी दिया था. 81 साल की आशा पारेख ने बुधवार को, वर्ली के NSCI डोम में हुए अवॉर्ड फंक्शन में अवॉर्ड लेने के बाद कहा 'जय महाराष्ट्र'.

आशा पारेख ने 1952 में चाइल्ड आर्टिस्ट के तौर पर फिल्म डेब्यू किया था. 16 साल की उम्र में उन्होंने बतौर लीडिंग हीरोइन फिल्म 'गूंज उठी शहनाई' (1959) से अपना करियर शुरू किया. हिंदी में कई यादगार फिल्में करने वालीं आशा ने अपने करियर की पीक पर, गुजराती फिल्मों में भी काम किया. उन्होंने कन्नड़ और पंजाबी फिल्मों में भी एक्टिंग की. धर्मेंद्र के साथ उनकी पंजाबी फिल्म 'कंकन दे ओहले' (1971) बहुत पॉपुलर हुई थी.

अनुराधा पौडवाल को भी मिला अवॉर्ड

जानीमानी प्लेबैक सिंगर और भजन गायिका अनुराधा पौडवाल को भी महाराष्ट्र सरकार ने सम्मानित किया. उन्हें गानसम्राज्ञी लता मंगेशकर पुरस्कार दिया. महाराष्ट्र सरकार में सांस्कृतिक मामलों के मंत्री सुधीर मुंगंतीवार ने कलाकारों को ये अवॉर्ड दिए. अवॉर्ड लेने के बाद सिंगर अनुराधा पौडवाल ने कहा, 'मैं बता नहीं सकती कि लता मंगेशकर जी, जिन्हें मैं अपना गुरु मानती हूं, उनके नाम पर शुरू हुए अवॉर्ड का मिलना मेरे लिए कितना महत्वपूर्ण है.'

'एसीपी' भी हुए सम्मानित

बेहद पॉपुलर टीवी शो 'CID' में एसीपी प्रद्युमन का किरदार निभाने के लिए मशहूर एक्टर शिवाजी साटम को भी अवॉर्ड मिला. महाराष्ट्र सरकार ने उन्हें चित्रपति वी शांताराम लाइफटाइम अवॉर्ड से सम्मानित किया.

अनुराधा पौडवाल और शिवाजी साटम के साथ साथ 'तेजाब' और 'अंकुश' जैसी फिल्मों के लिए पहचाने जाने वाले डायरेक्टर, एन. चंद्रा को भी अवॉर्ड दिया गया. उन्हें राज कपूर स्पेशल कंट्रीब्यूशन अवॉर्ड से सम्मानित किया गया. जबकि डायरेक्टर दिगपाल लंजेकर को चित्रपति वी. शांताराम स्पेशल कंट्रीब्यूशन अवॉर्ड मिला.

आम सूचना

मैं श्रीमती सुनीता देवी हरिश्चंद चौहान सभी को सूचित कर रही हूं कि रुम, आन प्लाट, एमआयडीसी रोड के सामने, धोबीघाट, उल्हासनगर-1. (टैक्स नं. 03एओ014006000(पार्ट) उक्त प्रॉपर्टी श्री ध्रुवचंद शालीग्राम चौहान के नाम पर है। उन्होंने गिफ्ट एग्रीमेंट दि. 22.8.2024 सी.नं. 3861/2024 द्वारा मुझे दी है। जिस कारण उक्त जायदाद मैं अपने नाम करवाना चाहती हूं। अगर इस जायदाद पर किसी भी व्यक्ति का कोई हक्क वास्ता हो तो वो सारे सबूतों के साथ 7 दिनों के भीतर उपरोक्त दिए गए पत्ते अथवा उल्हासनगर महानगरपालिका के टैक्स विभाग में संपर्क कर सकते हैं। अन्य 7 दिनों के बाद कोई भी व्यक्ति अपना दावा पेश नहीं कर सकता है।

सही/-
श्रीमती सुनीता देवी हरिश्चंद चौहान

आम सूचना

मैं श्रीमती छाया रुपचंद चौहान सभी को सूचित कर रही हूं कि रुम, आन प्लाट, एमआयडीसी रोड के सामने, धोबीघाट, उल्हासनगर-1. (टैक्स नं. 03एओ014006000(पार्ट) उक्त प्रॉपर्टी श्री ध्रुवचंद शालीग्राम चौहान के नाम पर है। उन्होंने गिफ्ट एग्रीमेंट दि. 22.8.2024 सी.नं. 3865/2024 द्वारा मुझे दी है। जिस कारण उक्त जायदाद मैं अपने नाम करवाना चाहती हूं। अगर इस जायदाद पर किसी भी व्यक्ति का कोई हक्क वास्ता हो तो वो सारे सबूतों के साथ 7 दिनों के भीतर उपरोक्त दिए गए पत्ते अथवा उल्हासनगर महानगरपालिका के टैक्स विभाग में संपर्क कर सकते हैं। अन्य 7 दिनों के बाद कोई भी व्यक्ति अपना दावा पेश नहीं कर सकता है।

सही/-
श्रीमती छाया रुपचंद चौहान

आम सूचना

हम श्रीमती प्रमिला प्रेमचंद चौहान व श्री प्रेमचंद शालीग्राम चौहान सभी को सूचित कर रहे हैं कि रुम, आन प्लाट, एमआयडीसी रोड के सामने, धोबीघाट, उल्हासनगर-1. (टैक्स नं. 03एओ014006000(पार्ट) उक्त प्रॉपर्टी श्री ध्रुवचंद शालीग्राम चौहान के नाम पर है। उन्होंने गिफ्ट एग्रीमेंट दि. 22.8.2024 सी.नं. 3869/2024 द्वारा मुझे दी है। जिस कारण उक्त जायदाद मैं अपने नाम करवाना चाहते हैं। अगर इस जायदाद पर किसी भी व्यक्ति का कोई हक्क वास्ता हो तो वो सारे सबूतों के साथ 7 दिनों के भीतर उपरोक्त दिए गए पत्ते अथवा उल्हासनगर महानगरपालिका के टैक्स विभाग में संपर्क कर सकते हैं। अन्य 7 दिनों के बाद कोई भी व्यक्ति अपना दावा पेश नहीं कर सकता है।

सही/-
श्रीमती प्रमिला प्रेमचंद चौहान
व श्री प्रेमचंद शालीग्राम चौहान

आम सूचना

मैं श्रीमती सिमरन राजकुमार चिमनानी सभी को सूचित कर रही हूं कि फ्लैट नं. 201, 2रा माला, हरिओम अपार्टमेंट, ब्लॉक नं. सी-33, रुम नं. 124-125, उल्हासनगर-3. (टैक्स नं. 29सीओ005334500) उक्त प्रॉपर्टी श्री सुंदर के. सचदेव के नाम पर है। उनसे सेल एग्रीमेंट दि. 21.8.2024 सी.नं. 6/361 द्वारा मैंने खरीदी है। जिस कारण उक्त जायदाद मैं अपने नाम करवाना चाहती हूं। अगर इस जायदाद पर किसी भी व्यक्ति का कोई हक्क वास्ता हो तो वो सारे सबूतों के साथ 7 दिनों के भीतर उपरोक्त दिए गए पत्ते अथवा उल्हासनगर महानगरपालिका के टैक्स विभाग में संपर्क कर सकते हैं। अन्य 7 दिनों के बाद कोई भी व्यक्ति अपना दावा पेश नहीं कर सकता है।

सही/-
श्रीमती सिमरन राजकुमार चिमनानी

संक्षेप...

दुष्कर्मियों को फांसी देने की मांग

ठाणे. महिला व नाबालिग लड़कियों के साथ दुष्कर्म करने वाले नराधमियों के विरोध में फास्ट ट्रैक कोर्ट में फांसी की सजा सुनाई जानी चाहिए।यह मांग श्रमजीवी संगठन के संस्थापक विवेक पंडित के मार्गदर्शन में माजिवाडा-मानपाडा प्रभाग समिती के किसान घटक संतोष गावित के नेतृत्व में चितलसर मानपाडा पुलिस स्टेशन के बाहर मुख पर काली पट्टी बांधकर मौन प्रदर्शन कर पुलिस स्टेशन में निवेदन दिया। ऐसे कुकृत्य करने वाले नराधमियों के भीतर से पुलिस का खौफ खत्म हो गया है।यह सरकार को शोभा नही दे रहा है इन नराधम लोगों को कानून का भी डर नहीं लगता है।इसके लिए सरकार के पास कड़क कार्रवाई करने के लिए कुछ नहीं है।ठाणे जिले के बदलापुर में 4 साल व 6 साल की बच्ची के साथ स्कूल के सफाई कर्मी ने जो कुकृत्य किया है उससे समस्त मानव समाज शर्मसार हो गया है।वही कलवा में एक अपंग लड़की के साथ साथ में भी सड़क पार करते समय एक नराधम ने विनय भंग किया था।पूना में नामी गिरामी स्कूल में शिक्षक ने ही लड़की का विनय भंग कर दिया था।

बदलापुर कांड के बाद एक्शन में शिंदे सरकार

अब स्कूलों में CCTV लगाना अनिवार्य; दिशानिर्देश जारी

मुंबई। बदलापुर कांड के बाद शिंदे सरकार ने कई सख्त कदम उठाए हैं। मुंबई उपनगरीय जिले के कैबिनेट और गार्जियन मंत्री मंगल प्रभात लोढ़ा ने मुंबई उपनगरीय के जिला कलेक्टर को महिलाओं और बच्चों की सुरक्षा के संबंध में महत्वपूर्ण निर्देश जारी किए हैं।

गार्जियन मंत्री मंगल प्रभात लोढ़ा ने एक पत्र जारी करते हुए महिलाओं और बच्चों के खिलाफ अपराधों को रोकने के लिए मुंबई उपनगरीय क्षेत्र के विभिन्न स्कूलों और कॉलेजों में महिलाओं और छात्राओं की सुरक्षा के लिए सभी आवश्यक उपाय किए जाने की आवश्यकता पर जोर दिया।

- किंडरगार्टन से लेकर स्नातकोत्तर स्तर को मिले सख्त निर्देश

लोढ़ा ने कहा कि 1 सितंबर से राज्य भर के सभी औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों और मुंबई उपनगरीय क्षेत्र के स्कूलों/कॉलेजों में युवतियों को आत्मरक्षा प्रशिक्षण दिया जाएगा। महिला सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए मुंबई उपनगरीय क्षेत्र में किंडरगार्टन से लेकर स्नातकोत्तर स्तर तक की सभी शैक्षणिक संस्थाओं को सख्त निर्देश दिए जाने चाहिए।

- नियुक्त कर्मचारियों का पूरी तरह से हो वेरिफिकेशन

सुरक्षा को लेकर स्कूलों, कॉलेजों और विभिन्न संस्थाओं को भी अपने यहां नियुक्त कर्मचारियों का पूरी तरह से सत्यापन करने का भी निर्देश दिया गया। लोढ़ा ने आगे कहा कि यह सभी निर्देश इसलिए दिया गया ताकि कोई अप्रिय घटना न हो और सभी को सावधानी बरतनी चाहिए!

- महिलाओं और बच्चों के खिलाफ बढ़ते अपराध चिंता का विषय

मंत्री लोढ़ा ने अपने पत्र में कहा कि महिलाओं और बच्चों के खिलाफ बढ़ते अपराध सरकार, प्रशासन और हमारे समाज के लिए चिंता का विषय हैं। बदलापुर में हुई घटना ने रोकथाम के उपायों के लिए जनता के सुझाव दिए हैं। महिला सुरक्षा को लेकर लापरवाही के कारण ऐसी घटनाएं हो रही हैं।

- 'पूरा स्कूल परिसर सीसीटीवी कैमरों की निगरानी में हो'

मंत्री लोढ़ा ने अपने पत्र में निर्देश दिया कि, रशौचालयों को छोड़कर पूरे स्कूल परिसर को सीसीटीवी कैमरों की निगरानी में लाया जाना चाहिए। कैमरे लगाए जाने चाहिए तथा उनकी सुरक्षा और उचित कार्यप्रणाली की नियमित रूप से बीट मार्शलों या गश्त करने वाली पुलिस टीमों द्वारा जांच की जानी चाहिए। लड़कियों के शौचालयों के बाहर निगरानी के लिए एक महिला कर्मचारी को स्थायी रूप से नियुक्त किया जाना चाहिए।

- शौचालयों की सफाई की जिम्मेदारी किसी महिला सफाई को दी जाए

यह सख्ती से लागू किया जाना चाहिए कि कम उम्र की लड़कियों और दसवीं कक्षा में पढ़ने वाली लड़कियों के लिए बने शौचालयों की सफाई की जिम्मेदारी महिला सफाई कर्मचारियों की हो। छात्रों के परिवहन के लिए इस्तेमाल की जाने वाली बसों, टैक्सियों और वैन में एक महिला कर्मचारी की मौजूदगी अनिवार्य होनी चाहिए। स्कूलों में काम करने वाले सफाई कर्मचारियों का पुलिस सत्यापन कराया जाना चाहिए।

IGM अस्पताल के डाक्टरों की हड़ताल रंग लाई

अस्पताल को मिल गए कुशल डॉक्टर

भिवंडी. जहां पूरे देश में डाक्टरों की सुरक्षा को लेकर भारी बवाल मचा हुआ है वहीं भिवंडी में डाक्टर की कमी से मरीजों को होने वाली दिक्कत से डाक्टरो ने मानवीय तरीके से शासन का ध्यान आकृष्ट कराने के लिए हड़ताल का रास्ता अख्तियार किया.हड़ताल शुरू होने के 3 घंटे बाद ही शासन नींद से जागा और डाक्टरों की मांग पूर्ण की जिसके बाद हड़ताल खत्म हुई.अस्पताल में हड़ताल के दौरान भी आपातकालीन सेवाएं पूर्ववत शुरू थी.

गौरतलब हो कि करीब 15 लाख की आबादी वाले भिवंडी शहर में आईजीएम अस्पताल ही एकमेव गरीब मरीजों के उपचार का सहारा है. अस्पताल में करीब 20 दिनों से महिला एवं बच्चों का कुशल डॉक्टर नहीं होने के कारण मरीजों को उपचार नहीं मिल रहा जिससे मरीजों के परिजन मुख्य चिकित्सा अधिकारी सहित डाक्टरों, नर्सों से नित्य झगड़ते देखे जाते हैं.डाक्टरों की कमी एवम मरीजों के झगड़े से परेशान तमाम डाक्टरों ने परेशान होकर अस्पताल में कुशल डाक्टर मुहैया नहीं होने तक सुबह 10 बजे से काम बंद कर हड़ताल पर बैठ गए. डाक्टरों की हड़ताल के 3 घंटे बाद ही शासन हरकत में आया और अस्पताल को महिला एवम बच्चों का कुशल डाक्टर फौरन मुहैया कराने की सूचना दी.कुशल डाक्टर मिलने की सूचना के बाद डाक्टरों ने अपनी हड़ताल वापस लेकर प्रतिदिन की तरह उपचार कार्य में जुट गए जिससे मरीजों ने अपार राहत की सांस ली है.डाक्टरों द्वारा मरीजों के हित में हड़ताल कर अपनी मांगे शासन से मनाए जाने पर मरीजों ने डाक्टरों का आभार प्रकट किया है.

> शासन द्वारा मरीजों की उपचार समस्या पर गंभीरता दिखाते हुए अस्पताल को कुशल डाक्टर मुहैया कराए गए हैं. शासन ने डाक्टर, नर्स, स्टाफ आदि की सुरक्षा हेतु तमाम जरूरी कदम उठाने का भरोसा दिया है.
>
> **-डा.माधवी पंधारे**
> मुख्य चिकित्सा अधिकारी
> आईजीएम अस्पताल

उल्हासनगर राकांपा जिलाध्यक्ष भारत राजवानी (गंगोत्री) द्वारा आयोजित तीज मेला में राकांपा महिला प्रदेशाध्यक्ष व राज्य महिला आयोग रुपाली चाकणकर विशेष अतिथि के रूप में आयी जहां उन्होंने मेहंदी लगाकर शहर की महिलाओं को तीज की शुभकामनाएं जी और महिलाओं में पुरस्कार भी वितरित किए। इस दो दिवसीय तीज मेले का लाभ 2 हजार से अधिक महिलाओं ने उठाया।

'मेरा भाई निर्दोष है, दोबारा जांच हो'

- आरोपी के भाई ने अक्षय को बताया निर्दोष
- कहा - किसी ने उसे फंसाया है

बदलापुर. बदलापुर के आदर्श स्कूल में चार साल की दो बच्चियों से छेड़छाड़ की घटना से पूरे देश में हड़कंप मच गया है. इस मामले में आरोपी सफाई कर्मचारी अक्षय शिंदे को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है और वह 26 अगस्त तक पुलिस हिरासत में है. इस घटना के बाद गुस्साई भीड़ ने आरोपी के घर पर हमला बोल दिया और घर के सामान को तहस-नहस कर दिया.

आरोपी अक्षय शिंदे के परिवार ने मीडिया के सामने आरोपों से इनकार किया है. उसके भाई बबलू शिंदे ने अपने भाई पर लगे आरोपों को झूठा बताते हुए दावा किया है कि पूरा मामला मनगढ़ंत है।

एक टीवी चैनल से फोन पर बात करते हुए बबलू शिंदे ने बताया, अक्षय शिंदे और उसका परिवार उस स्कूल में सफाईकर्मी के तौर पर काम कर रहा था और अक्षय ने 15 दिन पहले ही यह नौकरी ज्वाइन की थी. अगर उसने ऐसा कुछ किया होता तो वह स्कूल में काम पर वापस नहीं आता.

उन्होंने एक और मुद्दा उठाया कि लड़कियों को वॉशरूम तक ले जाने के लिए तीन महिला अटेंडेंट थीं, तो ऐसी स्थिति में मेरे भाई के खिलाफ ये आरोप कैसे साबित हो सकते हैं? बबलू के मुताबिक पूरा मामला मनगढ़त है और लड़कियों की दोबारा जांच और मेडिकल टेस्ट कराने की मांग की।

'हमें घर से बाहर निकाल दिया गया, हमें अपनी जान बचाकर भागना पड़ा'

बबलू शिंदे ने बताया कि घटना के बाद गांव वालों ने उनके परिवार को घर से और गांव से बाहर निकाल दिया. उनके परिवार पर हमला किया गया और घर की सारी संपत्ति नष्ट कर दी गयी. हम यह नहीं कह सकते कि हम अभी कहां हैं, लेकिन हम कहीं सुरक्षित जगह छिपे हुए हैं, ऐसा बबलू ने कहा है.

उन्होंने आगे स्पष्ट किया कि उनके भाई पर बालिका उत्पीड़न से संबंधित कोई अपराध नहीं है और उनका किसी भी राजनीतिक दल से कोई संबंध नहीं है। बबलू शिंदे ने कहा, हमारी किसी से कोई दुश्मनी नहीं है, लेकिन कोई हमें धोखा दे रहा है।

अल्फा पुरस्कार से पत्रकार राजेंद्र आकलेकर सम्मानित

मुंबई. साहित्य के लिए अल्फा पुरस्कार 2024 मुंबई में आंध्र प्रदेश के पूर्व राज्यपाल, पूर्व केंद्रीय मंत्री और महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री सुशील कुमार शिंदे के हाथों लेखक और पत्रकार राजेंद्र बी. आकलेकर को प्रदान किया गया। इस अवसर पर शामिल अन्य प्रमुख गणमान्य व्यक्तियों में पद्मश्री और डी.वाई. पाटिल विश्वविद्यालय के अध्यक्ष विजय पाटिल, एनटोड फार्मास्युटिकल्स लिमिटेड के अध्यक्ष किशोर मसुरकर, अल्फा कम्युनिकेशंस के अध्यक्ष डॉ. राजेंद्र गवई और लॉरेंस एंड मेयो के निदेशक डॉ. विवेक मेंडोंसा शामिल थे।

इन पुरस्कारों की स्थापना डॉ. राजेंद्र गवई के नेतृत्व में अल्फा कम्युनिकेशंस द्वारा की गई थी। यह पुरस्कार क्षेत्र में असाधारण उपलब्धियों और उल्लेखनीय योगदान के लिए प्रदान किया गया, जिसने जूरी का ध्यान और प्रशंसा आकर्षित की है, जिससे आकलेकर इस प्रतिष्ठित सम्मान के योग्य और योग्य प्राप्तकर्ता बन गए हैं।

ठाणे. नौपाडा कोपरी प्रभाग समिती के नारायण कोली चौक, अष्टविनायक चौक,12 बंगला परिसर, ठाणेकर वाडी,ठाणे रेल्वे स्टेशन (पूर्व)150 मीटर के अंतर्गत फेरीवालों पर किया गया कार्रवाई।20 हाथ गाड़ी जप्त कर आने जाने वाले फुट पाथ को मुक्त कराया।यह कार्रवाई परिमंडल 2 के उपायुक्त शंकर पाटोले के मार्गदर्शन में की गई.

बदलापुर घटना की पुनरावृत्ति से बचने के लिए उल्हासनगर में सतर्कता बरतें

सामाजिक संस्था ने प्रशासनाधिकारी को दिया ज्ञापन

उल्हासनगर. बदलापुर के आदर्श स्कूल में दिल दहला देने वाली घटना घटी है, जहां दो नाबालिग लड़कियों के साथ दुराचार किया गया. उल्हासनगर के सभी सरकारी और निजी स्कूलों को सतर्कता बरतनी चाहिए और शौचालय के पास महिला सफाई कर्मचारियों को नियुक्त करना चाहिए ताकि ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो। ऐसी मांग का एक निवेदन सामाजिक संस्था 'एक हात मदतीचा' ने मनपा प्रशासनाधिकारी को दिया है.

मनपा, सरकारी व निजी स्कूलों में दोबारा इस तरह की घटना न हो, इसके लिए स्कूल में कार्यरत सिपाहियों व सफाई कर्मियों से जानकारी ली जाये. इसकी जांच होनी चाहिए कि इसमें कोई मनोरोगी तो नहीं है. क्या सभी स्कूलों में सीसीटीवी कैमरे हैं? इसका निरीक्षण किया जाना चाहिए। स्कूलों में महिला सफाई कर्मचारियों को बड़ी संख्या में नियुक्त किया जाना चाहिए और लड़कियों के शौचालयों के पास केवल महिला सफाई कर्मचारियों को रखा जाना चाहिए।

साथ ही सामाजिक संस्था 'एक हात मदतीचा' के अध्यक्ष विजय कदम ने प्रशासनिक अधिकारी दीपक धनगर से मांग की है कि सभी स्कूलों में लड़कियों की सुरक्षा के लिए क्या उपाय किए गए हैं, इसकी जानकारी लिखित रूप में ली जाए. दीपक धनगर ने आश्वासन दिया है कि इस संबंध में सभी स्कूलों से तत्काल रिपोर्ट मांगी जाएगी।

आम सूचना

मैं श्री अशोक वरंदमल विजरिया सभी को सूचित कर रहा हूं कि रुम नं. 3, बैरक नं. 618, उल्हासनगर-2. (टैक्स नं. 19बीआय016319900) उक्त प्रॉपर्टी श्रीमती कांता लीलाराम गुलाबाणी के नाम पर है। उनसे सेल एग्रीमेंट दि. 2.6.2007 द्वारा मैंने खरीदी है। जिस कारण उक्त जायदाद मैं अपने नाम करवाना चाहता हूं। अगर इस जायदाद पर किसी भी व्यक्ति का कोई हक्क वास्ता हो तो वो सारे सबूतों के साथ 7 दिनों के भीतर उपरोक्त दिए गए पत्ते अथवा उल्हासनगर महानगरपालिका के टैक्स विभाग में संपर्क कर सकते हैं। अन्य 7 दिनों के बाद कोई भी व्यक्ति अपना दावा पेश नहीं कर सकता है।

सही/-
श्री अशोक वरंदमल विजरिया

कंगना की नई फिल्म 'इमरजेंसी' पर विवाद

- पंजाब के सांसद बोले- सिखों को गलत तरीके से दिखाया,
- माहौल बिगड़ेगा; केंद्र रिलीज रोके

हिमाचल प्रदेश की मंडी सीट से BJP सांसद, एक्ट्रेस कंगना रनोट अपकमिंग मूवी इमरजेंसी विवादों से घिर गई हैं। कंगना की ये फिल्म पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी के कार्यकाल में लगाई गई इमरजेंसी पर बनाई गई है। फिल्म 6 सितंबर को रिलीज होगी।

इससे पहले पंजाब के निर्दलीय सांसद सर्बजीत सिंह खालसा ने ट्रेलर में दिखाए गए दृश्यों पर आपत्ति जताई है। उन्होंने कहा कि इसमें सिखों को गलत तरीके से पेश किया गया है। उन्होंने केंद्र सरकार को लेटर लिखकर फिल्म की रिलीज रोकने की मांग की है।

सर्बजीत सिंह खालसा ने कहा, 'नई फिल्म 'इमरजेंसी' में सिखों को गलत तरीके से पेश करने की खबरें सामने आ रही हैं, जिससे समाज में शांति और कानून की स्थिति बिगड़ने की आशंका है। अगर इस फिल्म में सिखों को अलगाववादी या आतंकवादी के रूप में दिखाया गया है तो यह एक गहरी साजिश है। यह फिल्म एक मनोवैज्ञानिक हमला है, जिस पर सरकार को पहले से ध्यान देकर दूसरे देशों में सिखों के प्रति नफरत भड़काना बंद कर देना चाहिए।' सरबजीत सिंह खालसा बेअंत सिंह के बेटे हैं। बेअंत सिंह पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की हत्या में शामिल था।

उल्हास विकास NEWS
www.ulhasvikas.com
ULHAS VIKAS ANDROID APP ON Google play Install now
/ulhasvikas /ulhasvikas
/ulhasvikas /ulhasvikas

Subscribe to our ULHAS VIKAS YouTube Channel उल्हास विकास NEWS

संस्थापक संपादक- स्व. श्री अशोक उकाराम बोधा
उल्हास विकास लोकप्रिय हिंदी दैनिक
ULHAS VIKAS Hindi Daily By :- HERO ASHOK BODHA
www.ulhasvikas.com (Editor in Chief)

25 Lakhs THANK YOU Viewer's
25,00,000

उल्हास विकास NEWS ULHAS VIKAS ANDROID APP ON Google play Install now

Thank you
Pageviews yesterday 2,763
Pageviews last month 76,471
Pageviews all time history 1,007,712
Followers 168

यह वृत्तपत्र प्रकाशक, मुद्रक, संपादक **श्री हीरो अशोक बोधा** ने श्री गोपाल प्रेस, ब्लॉक नं. ए-99/593, वेनसी जगनानी मार्ग, इंदिरा गांधी गार्डन के पास, उल्हासनगर- 421001. जिल्हा ठाणे, महाराष्ट्र से छपवाकर ब्लॉक नं. ए-99/593, वेनसी जगनानी मार्ग, इंदिरा गांधी गार्डन के पास, उल्हासनगर- 421001. जिल्हा ठाणे, महाराष्ट्र से प्रकाशित किया. **आर.एन.आई. नं. 43638/85** Email: ulhasvikas@gmail.com संपादकीय-विज्ञापन फोन : 2709099